।। श्री हरिः ।।

नमामि देवी नर्मदे

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN /2004 /13927

वर्ष - 21 अंक - 321

नर्मदापुरम

बुधवार, 03 सितंबर 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

खास बात

जिन्दगी जुए का एक खेल है। इसकी प्रत्येक घटना एक बाजी है। शादी, ब्याह, जन्म, मरण सब किस्मत की बात है।कब बाजी किधर पलटेगी, दाँव कैसा पड़ेगा, कोई नहीं जानता ।

- कमला कान्त

संक्षिप्त समाचार

स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र एक ही परिसर में होंगे स्थापित

नई दिल्ली। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सहयोग से आज नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों को एक ही परिसर में स्थापित किए जाने को लेकर पर दिशानिर्देश जारी करेगा। इस कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ-साथ महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के दोनों विभागों के प्रतिनिधि और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भी उपस्थित रहेंगे। यह पहल, विकसित भारत की मानव पूंजी के लिए एक मजबूत आधारशिला बनाने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। ये दिशानिर्देश, आंगनवाड़ियों और स्कूलों को एक ही परिसर स्थापित करने के साथ एकीकृत मॉडलों के माध्यम से प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के महत्व पर जोर देते हैं। 12.9 लाख से अधिक आंगनवाड़ियों केंद्र पहले से ही स्कूलों के परिसर में स्थित हैं, इसलिए ये दिशानिर्देश संचालन संबंधी आवश्यक स्पष्टता प्रदान करेंगे और राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को इस मॉडल को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने में सक्षम बनाएंगे।

सीएम दिल्ली में उद्योगपतियों से आज करेंगे वन-टू-वन चर्चा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तीन सितंबर को दिल्ली में होने वाले इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन पीएम मित्रा पार्क के इंटरैक्टिव सेशन में शामिल होंगे। इस अवसर पर केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह भी मौजूद रहेंगे। इंटरैक्टिव सेशन में टेक्सटाइल सेक्टर के निवेशकों और नीति-निर्माताओं की मौजूदगी में मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों पर विचार-विमर्श होगा। केन्द्रीय मंत्री सिंह भारत के टेक्सटाइल सेक्टर की बढ़ती वैश्विक भूमिका और पीएम मित्रा पार्क की अहमियत पर अपने विचार रखेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव निवेशकों के साथ वन-टू-वन मीटिंग कर राज्य में उपलब्ध अधोसंरचना, नीतिगत सहयोग और नए अवसरों की जानकारी देंगे। साथ ही टेक्सटाइल हब के रूप में पहचान बना रहे मध्य प्रदेश की विशेषताओं से निवेशकों को अवगत कराएंगे। मुख्यमंत्री द्वारा यह भी बताया जाएगा कि कैसे पीएम मित्रा पार्क प्रदेश की औद्योगिक तस्वीर को बदलने वाला साबित होगा और रोजगार के नए अवसर सृजित करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव निवेशकों और उद्योगपतियों के साथ टेक्सटाइल क्षेत्र में निवेश संबंधी प्रस्तावों और संभावनाओं पर भी संवाद करेंगे। इंटरैक्टिव सेशन में वस्त्र मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी केंद्रीय योजनाओं और टेक्सटाइल क्षेत्र में बढ़ते वैश्विक अवसरों पर जानकारी देंगे। मध्य प्रदेश के उद्योग विभाग और टेक्सटाइल विभाग के अधिकारियों द्वारा निवेशकों को मध्यप्रदेश में उपलब्ध संसाधनों, क्लस्टर आधारित विकास और विशेष पैकेज का प्रेजेंटेशन दिया जाएगा।

अंतमना उवाच

पर्वों के पर्वराज का छठा चरण - उत्तम संयम

संयम का अर्थ है- बैलेंस बना कर जीना..!

संयम चर्चा का विषय नहीं, ये आत्म तत्व अनुभूति है।

समय का कैसा मोड़ है, रात दिन की दौड़ है.. तप, त्याग, संयम, सद्गुण ग्रहण का भाव नहीं.. सुख, शांति, अर्थ वासना की चाह में.. असंयम की होड़ है..!

दुखी रहना है तो असंयम की ओर दौड़ो और सुखी रहना है तो संयम, सद्गुण और संस्कार को आत्मसात करो। महावीर भगवान से पूछा, भगवन..! दुनिया का सबसे बड़ा धर्म कौन सा है..!महावीर ने कहा- **अहिंसा संयमो तवो** अहिंसा, संयम और तप ही धर्म के प्राण है। जिस मजहब में, इन तीन की उपासना हो, पूजा हो, आराधना हो, इनका बहुमान-सम्मान हो, वही सबसे बड़ा धर्म और धर्मात्मा है। क्योंकि **अहिंसा, संयम, चरित्र और तप को गिरवी रखकर यदि हम पद, पैसा, प्रतिष्ठा, शोहरत को हासिल कर भी लें, तो समझना बहुत महंगा सौदा किया है।** चारित्र विश्व विधालय है, संयम पाठशाला है, तप - इच्छाओं को वश में करने का मूल मंत्र है और अहिंसा सौभाग्य का सिन्दूर है। इनके बिना मनुष्य जीवन ऐसा ही है, जैसे गधे ने शेर की खाल ओढ़ ली हो। इसलिए **जीवन में मरने से पहले एक व्रत, नियम, संयम लेकर ही मरना अन्यथा मनुष्य जन्म का कोहिनूर हमने कामना - वासनाओं के कौआ को उड़ाने में गंवा दिया।**

यदि आप किसी घर के मेहमान बनो तो आँखों पर इतना संयम रखना कि उसके सद्गुण, संस्कार और सत्कार्य के अलावा कोई बुराई ना दिखे और जब उसके घर से जाओ तो अपनी जुबान पर काबू रखना, उसके घर की इज्जत और अतिथि सत्कार दोनों सलामत रहे...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

कैबिनेट निर्णय: जल जीवन मिशन योजनाओं में 2,813 करोड़ की वृद्धि

धार में 2158 एकड़ में बनेगा पीएम मित्रा पार्क, 11 से शुरू होगा भूमि का आवंटन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को कैबिनेट बैठक से पहले मंत्रियों को संबोधित किया। सीएम ने कहा कि बुधवार को नई दिल्ली में इंवेस्टमेंट अपॉर्च्यूनिटीज इन पीएम मित्रा पार्क पर इंटरैक्टिव सेशन होगा। इसमें केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह भी शामिल होंगे। धार जिले के बदनावर में 2158 एकड़ में 2000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पीएम मित्रा पार्क विकसित किया जा रहा है। यहां 11 सितंबर तक भूमि आवंटन के लिए आवेदन किए जा सकेंगे। मात्र 1 रुपये प्रति वर्ग मीटर प्रीमियम और 120 रुपये प्रति वर्ग फीट विकास शुल्क के साथ यह पार्क देश के अन्य पार्कों की तुलना में सबसे सस्ता है। सीएम यादव ने कहा कि यह पार्क प्रदेश में तीन लाख रोजगार अवसर सृजित करेगा।

खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिए जर्मनी भेजा जाएगा

सीएम यादव ने बताया कि श्रीनगर की डल झील में हुए पहले खेलो इंडिया वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल में मध्य प्रदेश ने सर्वाधिक पदक जीते हैं। साथ ही प्रधानमंत्री ने शहडोल के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिए जर्मनी भेजा जाएगा।

पर्यटन निवेश पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में ग्वालियर में आयोजित टूरिज्म कॉन्क्लेव में 3200 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिससे ग्वालियर, चंबल और सागर संभाग में पर्यटन गतिविधियां बढ़ेंगी। उन्होंने घोषणा की कि 11 से 13 अक्टूबर तक भोपाल में मध्यप्रदेश ट्रेवल मार्ट आयोजित किया जाएगा।

साथ ही मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री निवास पर स्थापित विक्रमादित्य वैदिक घड़ी और इसके मोबाइल एप का उल्लेख करते हुए कहा कि यह विश्व की पहली घड़ी है जो भारतीय पंचांग और कालगणना को आधुनिक तकनीक से जोड़ती है। यह 189 भाषाओं में उपलब्ध होगी और धार्मिक कार्यों हेतु विशेष मुहूर्तों की जानकारी भी देगी।

जल जीवन मिशन को रफ्तार, इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड का विकास, बैठक में कई प्रस्तावों को मंजूरी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में हुई कैबिनेट की बैठक में प्रदेश के बुनियादी ढांचे और पेयजल आपूर्ति को मजबूत करने वाले कई बड़े फैसले लिए गए। बैठक में जल जीवन मिशन की पुनरीक्षित योजनाओं सहित इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड मार्ग, उज्जैन रेलवे ओवर ब्रिज और नर्मदापुरम-टिमरनी मार्ग के लिए कुल 7 हजार करोड़ रुपये से अधिक की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। कैबिनेट ने जल जीवन मिशन की पुनरीक्षित योजनाओं में लागत वृद्धि को मंजूरी दी है। राज्य सरकार अब अतिरिक्त 2,813 करोड़ रुपये वहन करेगी। प्रदेश में अब तक 27,990 एकल ग्राम नल जल योजनाएं और 148 समूह जल प्रदाय योजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इनमें से 15,947 योजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि 12,043 योजनाएं निर्माणाधीन हैं। पुनरीक्षण कार्यों से 7 लाख ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन मिलने का रास्ता साफ होगा। जिलों की प्रस्तुत 8,358 पुनरीक्षित परियोजनाओं के विस्तृत परीक्षण के उपरान्त कुल पुनरीक्षित लागत 9026 करोड़ 97 लाख रुपये की स्वीकृति दिये जाने की अनुशंसा की गई। इन योजनाओं की मूल स्वीकृत लागत 6,213 करोड़ 76 लाख रुपये है।

सिंहस्थ से जुड़े निर्माण कार्य दिसम्बर 2027 तक करें पूर्ण : सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंहस्थ-2028 महापर्व के सुव्यवस्थित संचालन के लिए दीर्घकालीन कार्ययोजना का समय-सीमा में क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाये। संबंधित विभाग उनके कार्यक्षेत्र में जारी गतिविधियों की निरंतर समीक्षा कर यह सुनिश्चित करें कि सभी निर्माण कार्य दिसम्बर 2027 तक अनिवार्यत: पूर्ण हों। साथ ही भीड़ प्रबंधन तथा समस्त प्रमुख धार्मिक, सांस्कृतिक आयोजनों के लिए आवश्यक समन्वय भी इस अवधि तक सुनिश्चित कर लिया जाए।

पीएम मोदी को भावुक देख रो पड़े बिहार भाजपा अध्यक्ष

कांग्रेस-आरजेडी ने मेरी मां को गाली दी: ये हर मां का अपमान

पटना ■ एजेंसी

बिहार के दरभंगा में 27 अगस्त को राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान पीएम मोदी की मां को गाली दी गई थी। 7वें दिन पीएम मोदी ने सामने आकर गाली देने का जवाब दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा- बिहार में कुछ दिन पहले जो कुछ हुआ उसकी मैंने कल्पना नहीं की थी। बिहार में कांग्रेस के मंच से मेरी मां को गालियां दी गईं। ये गालियां सिर्फ मेरी मां का अपमान नहीं, ये देश की मां-बहन, बेटी का अपमान है। पीएम ने कहा- इस घटना की जितनी पीड़ा मेरे दिल में है, उतनी ही तकलीफ मेरे बिहार के लोगों के दिल में भी है। मैं आपसे अपना दुख साझा कर रहा हूं, ताकि मैं इस पीड़ा को झेल पाऊं।

पीएम ने दिल्ली से बिहार की जनता को वर्चुअली संबोधित करते हुए यह बात कही। वे बिहार राज्य जीविका निधि शाखा सहकारी संघ लिमिटेड की शुरुआत के कार्यक्रम में जुड़े थे। अपने 36 मिनट के संबोधन में पीएम कई बार भावुक भी हुए। उन्होंने कहा, मैं गरीब परिवार से हूं। समाज और देश की सेवा में लगा हूं। मैंने हर दिन हर क्षण अपने देश के लिए, देशवासियों के लिए मेहनत की। इसमें मेरी मां का आशीर्वाद, मेरी मां की बहुत बड़ी भूमिका थी। मुझे जन्म देने वाली मां ने मुझे अपने दायित्वों से मुक्त कर दिया था। मुझे आज इस बात की पीड़ा है। मां ने मुझे देश सेवा के लिए रवाना किया था। हर मां चाहती है कि बेटा बड़ा हो। मेरे लिए कुछ करे। मेरी मां ने ऐसा नहीं सोचा। उन्होंने मुझे आपके लिए भेजा। मां का स्थान देवी-देवताओं से ऊपर माना जाता है। बिहार के ही संस्कार हैं। माई के स्थान देवता से भी ऊपर होवेला। काही के आपन बाल बच्चा खातिर ऊ कोनो देवी नियर पोल पास के बड़ा करेली...माई के बिना कोनो जिंदगी ना बनप सकेला।

नामदार लोग सोने-चांदी के चम्मच लेकर पैदा हुए

ये गालियां करोड़ों माताओं-बहनों को दी गई। ये शाही खानदानों में पैदा हुए युवराज इस पीड़ा को नहीं समझ सकते हैं। ये नामदार लोग सोने-चांदी के चम्मच लेकर पैदा हुए हैं। गंदी नाली का कीड़ा, जहर वाला सांप, बिहार चुनाव में मुझे तू, तड़ाक कर के गाली देकर बोलते हैं। इनकी नामदार वाली सोच बार-बार उजागर होती है। इसी सोच से अब मेरी मां जिसका शरीर नहीं रहा। जिसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं। अपने मंच से गालियां दिलवा रहे हैं। आज से 20 दिन बाद नवरात्रि शुरू होगी, इसके बाद छठ मइया की पूजा होगी। छठ का पर्व मनाया जाएगा। भारत की धरती ने मां का अपमान कभी बर्दाश्त नहीं किया है। मैं बिहार के लोगों से भी कहूंगा, इस अपमान की भरपाई बिहार के हर बेटे की जिम्मेदारी है। RJD और कांग्रेस के नेता जहां भी जाएं, जिस गली में भी जाएं। उन्हें चारों तरफ आवाज आनी चाहिए। कार्यक्रम में पीएम ने इस संस्था के बैंक खाते में 105 करोड़ रुपए की राशि भी ट्रांसफर की।

कन्फेडरेशन ऑफ इंडिया ट्रेडर्स की बैठक आयोजित

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने मंगलवार को बैतूल में कन्फेडरेशन ऑफ इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा आयोजित मध्यप्रदेश के पदाधिकारियों की बैठक में सहभागिता कर संबोधित किया। बैठक में कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी. सी. भरतिया, प्रदेश अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश चंद्र गुप्ता, प्रदेश महामंत्री राजीव खण्डेलवाल एवं जिला अध्यक्ष मनोज भार्गव मौजूद रहे।

आईटी ने साइंस हाउस ग्रुप के कई ठिकानों पर मारा छापा

भोपाल ■ प्रतिनिधि

राजधानी में आज आयकर विभाग ने कई जगहों पर छापामारी की। विभाग की टीम ने गौतम नगर स्थित साइंस हाउस ग्रुप के दफ्तर सहित कई ठिकानों पर तलाशी ली। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए सीआरपीएफ के जवान तैनात किए गए थे। जानकारी के मुताबिक, विभाग की गाड़ियां सुबह-सुबह साइंस हाउस ग्रुप की बिल्डिंग पहुंचीं और वहां दस्तावेजों की जांच शुरू की गई। इसी दौरान एक अन्य टीम लालघाटी के पंचवटी पार्क क्षेत्र में मेडिकल सर्जिकल उपकरणों के व्यापारी राजेश गुप्ता के निवास पर भी कार्रवाई करने गई। राजेश गुप्ता का लिनन का बड़ा कारोबार है। यह सरकारी विभागों में पॉवरलूम के माध्यम से बड़ी सप्लाई करते हैं।

जानकारी के अनुसार, भोपाल, इंदौर और मुंबई समेत देशभर में कई स्थानों पर छापे मारे गए हैं। अधिकारियों की टीम ने साइंस हाउस ग्रुप से जुड़े संचालक जितेंद्र तिवारी, सॉफ्टवेयर इंजीनियर रोहित गुप्ता, कंसल्टेंट दिनेश बारोलिया और शिखा राजोरिया से भी पूछताछ की है। साइंस हाउस ग्रुप के संचालकों के एक पूर्व आईएएस अधिकारी से संबंधों की भी चर्चा रही हैं। बता दें कि साइंस हाउस मेडिकल प्राइवेट लिमिटेड का मुख्यालय भोपाल के गौतम नगर स्थित मकान नंबर C-25 में वर्ष 1994 से संचालित हो रहा है। कंपनी मेडिकल उपकरणों की सप्लाई के साथ पैथोलॉजी लैब, निजी अस्पताल और डायग्नोस्टिक सेवाएं भी उपलब्ध कराती है। अनूपपुर जिले में स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी खरीद-फरोख्त में साइंस हाउस और अनु सेल्स का बड़ा घोटाला सामने आया था। इस मामले में आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने जांच में पाया कि स्वास्थ्य उपकरणों और दवाओं की आपूर्ति अत्यधिक कीमतों पर की गई थी।

जीएसटी सुधार में छोटे व्यवसायों को फायदा देने की तैयारी में सरकार

चेन्नई ■ एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार एक खुली और पारदर्शी अर्थव्यवस्था का निर्माण करेंगे, अनुपालन बोझ को कम करेंगे और छोटे व्यवसायों को फायदा पहुंचाएंगे।

तमिलनाडु में सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह में बोलते हुए, वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए एक टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य नियमों को सरल बनाना, अनुपालन लागत कम करना और स्टार्टअप्स तथा एमएसएमई के लिए एक अधिक सक्षम इकोसिस्टम का निर्माण करना है। वस्तु एंव सेवा कर की दरों को कम करने के लिए जीएसटी परिषद की बैठक 3-4 सितंबर को होनी है।

वित्त मंत्री ने सभी बैंकों से अपील की कि वे विकास को गति प्रदान करें और विश्वास का निर्माण करें। साथ ही कहा कि बैंकों को अपने ढांचे में अच्छा प्रशासन सुनिश्चित करना चाहिए और प्रत्येक रुपए को राष्ट्र निर्माण में लगाना चाहिए। वित्त मंत्री सीतारमण ने आगे कहा कि अप्रैल-जून में हमारी वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही है और हमारी सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग 18 वर्षों में पहली बार अपग्रेड हुई है। पिछले 8 वर्षों में मुद्रास्फीति की दर में 1.15 प्रतिशत की गिरावट आई है। इस साल राजकोषीय घाटा 4.42 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा कि पीएम जन धन जैसी योजनाओं ने बड़े स्तर पर बदलाव लाया है और इसमें 56 करोड़ से ज्यादा बैंक खाते खोले गए हैं।

नई बजटिंग प्रणाली से होगा एमपी का सर्वांगीण विकास

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश तेजी से औद्योगिकीकरण और विकास की नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ रहा है। प्रदेश सरकार का फोकस केवल आर्थिक वृद्धि पर ही नहीं, बल्कि रोज़गार सृजन, आधारभूत संरचना निर्माण और सामाजिक न्याय पर भी है। इसी दिशा में सरकार ने मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिये बजट को अगले 5 वर्ष में दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। इससे हर क्षेत्र में निवेश और जनकल्याणकारी योजनाओं को गति मिलेगी। साथ ही बीते बजट प्रावधान में विभागों के बजट पर अनुशासन लगाने की महत्वपूर्ण पहल भी की जा रही है।

भारत का पहला स्वदेशी स्पेस प्रोसेसर 'विक्रम 3201' लॉन्च, रॉकेट और सैटेलाइट मिशन होंगे और मजबूत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सेमिकॉन इंडिया 2025 सम्मेलन में इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने 'विक्रम 3201' पेश किया। इसे भारत की सेमीकंडक्टर आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया जा रहा है। इस प्रोसेसर को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और चंडीगढ़ स्थित सेमीकंडक्टर लेबोरेटरी के सहयोग से तैयार किया गया है।

यह एक 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर है, जिसे खासतौर पर अंतरिक्ष मिशनों की कठोर परिस्थितियों में काम करने के लिए बनाया गया है। इसकी -55 डिग्री सेल्सियस से लेकर +125 डिग्री सेल्सियस तक तापमान झेलने की क्षमता इसे बेहद मजबूत बनाती है। इसका काम रॉकेट और लॉन्च व्हीकल्स में नेविगेशन, कंट्रोल और मिशन मैनेजमेंट को संभालना है। इसे मिलिट्री-ग्रेड स्टैंडर्ड्स के हिसाब से तैयार किया गया है ताकि यह रेडिएशन और वाइब्रेशन जैसी कठिन परिस्थितियों में भी काम करता रहे। इससे पहले इसरो 2009 से 'विक्रम 1601' (16-बिट प्रोसेसर) का इस्तेमाल कर रहा था। अब 'विक्रम 3201' न सिर्फ 32-बिट आर्किटेक्चर लाता है, बल्कि इसमें 64-बिट फ्लोटिंग-प्वाइंट ऑपरेशन, Ada प्रोग्रामिंग लैंग्वेज का सपोर्ट और बेहतर कम्युनिकेशन के लिए ऑन-चिप 1553B बस इंटरफेस जैसे कई बड़े अपग्रेड शामिल हैं। इसे SCL की चंडीगढ़ यूनिट में 180-नैनोमीटर CMOS तकनीक से बनाया गया है, जो एयरोस्पेस एप्लिकेशंस के लिए भरोसेमंद है

प्रदेश के दौरे पर दिल्ली से आया अवर सचिवों का दल, सीएम से भारत सरकार के अधिकारियों ने की भेंट

स्वास्थ्य क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने किया है नवाचार: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मंगलवार को मंत्रालय में प्रधानमंत्री कार्यालय के अवर सचिव विनोद बिहारी सिंह के नेतृत्व में अधिकारियों के 38 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधि मंडल में भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में कार्यरत अवर सचिव शामिल थे। यह सभी अवर सचिव इस मिड कैरियर कोर्स के उपरान्त उप सचिव के पद पर पदोन्नत होंगे और अलग-अलग मंत्रालयों में उनकी पदस्थापना की जाएगी। प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने तीन दिवसीय मध्यप्रदेश यात्रा में विश्व धरोहर स्मारक सांची (जिला रायसेन) और हिल स्टेशन पचमढ़ी (जिला नर्मदापुरम) का भ्रमण भी किया। भारत सरकार के अधिकारियों ने बताया कि वे मध्यप्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक विरासत से प्रभावित हुए हैं।

सीएम ने कहा कि देश के हृदय प्रदेश में सभी का स्वागत है। मध्यप्रदेश अनेक नवाचारों को अपनाते हुए विभिन्न क्षेत्रों में विकास के पैमानों पर कार्य कर रहा है। नागरिकों को स्वास्थ्य क्षेत्र में विभिन्न सुविधाएं दी जा रही हैं। आयुष्मान कार्डधारी और अन्य नागरिकों को आपातकाल में जीवन रक्षा के लिए एयर एम्बुलेंस सुविधा भी उपलब्ध करवाई जा रही है। इसी तरह मेडिकल कॉलेजों की स्थापना का कार्य निरंतर हो रहा है। सीएम ने भारत सरकार के अधिकारियों को जानकारी दी कि पीपीपी मॉडल के आधार पर जिला अस्पतालों का मेडिकल कॉलेज के रूप में उन्नयन कर आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इस मॉडल की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बताया कि मेडिकल कॉलेज के लिए मात्र एक रुपए में 25 एकड़ भूमि के आवंटन, चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ उपलब्ध करवाने और मेडिकल कॉलेज का प्रबंधन, प्राप्त शुल्क राशि से किए जाने की व्यवस्था की गई है। इस पहल का नागरिकों को व्यापक स्तर पर लाभ प्राप्त होगा।

कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव पर 102 करोड़ का जुर्माना, DRI ने भेजा नोटिस

बंगलूरू। दुबई से अवैध सोना तस्करी मामले में जेल की सजा काट रहीं अभिनेत्री रान्या राव को अब राजस्व खुफिया निदेशालय से 102.55 करोड़ रुपये का जुर्माना भरने का नोटिस मिला है। केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अवैध रूप से सोना तस्करी करने के आरोप में पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया था। इस दौरान डीआरआई अधिकारियों ने रान्या राव के पास से 14.8 किलोग्राम सोना जब्त किया था। इस मामले की जांच के दौरान डीआरआई को पता चला था कि रान्या राव करीब 15 दिनों में चार बार दुबई गई थीं और हर बार उन्होंने सोने की तस्करी की थी। अब इस मामले में डीआरआई की तरफ से 102.55 करोड़ रुपये का जुर्माना भरने का नोटिस जारी किया गया है। 2 सितंबर को रान्या समेत चारों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है और नोटिस जारी किया गया है। जानकारी के मुताबिक जुर्माना न भरने पर संपत्ति जब्त हो सकती है।

भोपाल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, भोपाल श्रीमती इला तिवारी ने मंगलवार को फंदा जनपद की ग्राम पंचायत, अमोनी पहुंचकर स्वच्छता के साथ-साथ विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। गांव में सड़कों पर फैल रही गंदगी को देखकर सम्बन्धित सरपंच एवं सचिव को साफ-सफाई के लिए निर्देशित किया। तत्पश्चात सीईओ ने ग्राम में स्थित गौ-शाला संचालन के निरीक्षण के साथ-साथ विभिन्न निर्माण कार्य यथा शेड निर्माण, सी.सी. रोड, नाली आदि का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान कार्यपालन यंत्री जीतेन्द्र अहिरवार, जनपद पंचायत, फंदा सीईओ श्रीमती शिवानी मिश्रा सहित समस्त सम्बन्धित सहायक यंत्री, उपयंत्री एवं सरपंच व सचिव उपस्थित रहे।

भोपाल पुलिस ने की बलवा रिहर्सल परेड, भांजी लाठियां, कई घायल

भीड़ नियंत्रण को लेकर लाठीचार्ज से फायरिंग तक की हुई प्रैक्टिस

भोपाल ■ निसं

आगामी त्यौहारों अनंत चतुर्दशी, डोल ग्यारस और मिलादुन्नबी के दौरान शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए भोपाल पुलिस ने मंगलवार सुबह पुलिस लाइन नेहरू नगर में बलवा मॉक ड्रिल परेड का आयोजन किया। इस मौके पर पुलिस उपायुक्त श्रद्धा तिवारी और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नीतू ठाकुर के नेतृत्व में करीब 500 पुलिस जवानों ने हिस्सा लिया।

ड्रिल के दौरान मुआवजे की मांग को लेकर धरना दे रहे किसानों का दृश्य तैयार किया गया। प्रदर्शनकारियों को पहले पुलिस अधिकारियों ने समझाने की कोशिश की, लेकिन भीड़ अचानक उग्र होकर पथराव करने लगी। ऐसे में पुलिस ने चेतावनी दी, आंसू गैस के गोले दागे

और हालात काबू में न आने पर लाठीचार्ज किया गया। स्थिति ज्यादा बिगड़ने पर मजिस्ट्रेट के आदेश पर फायरिंग की गई, जिसमें कुछ प्रदर्शनकारी और पुलिसकर्मी घायल हुए। सभी घायलों को मौके पर मौजूद एम्बुलेंस और मेडिकल टीम ने उपचार के लिए अस्पताल भेजा।

पुलिस उपायुक्त श्रद्धा तिवारी ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह की मॉक ड्रिल से पुलिस बल विपरीत परिस्थितियों से निपटने और कानून व्यवस्था बनाए रखने में सक्षम होता है। त्योहारों के समय ऐसी तैयारियां बेहद जरूरी हैं ताकि आम जनता की सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनी रहे।

अलग-अलग टीम बनाकर सौंपी जिम्मेदारी

मॉकड्रिल में पुलिस की अलग-अलग टीमें बनाई गई टियर गैस पार्टी, लाठी पार्टी, राइफल पार्टी, मेडिकल पार्टी और वाटर कैनन पार्टी को जिम्मेदारी सौंपी गई। अभ्यास के दौरान 150 से अधिक टियर गैस सेल और ग्रेनेड छोड़े गए, साथ ही वाटर कैनन, बज्र वाहन, रूद्र वाहन और एम्बुलेंस सहित सभी जरूरी उपकरणों का परीक्षण किया गया।

संक्षिप्त समाचार

आरपीएफ का शिकंजा- रेलवे स्टेशनों एवं ट्रेनों में अनाधिकृत वेंडरों पर बड़ी करवाई

भोपाल। महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल पमरे के दिशा निर्देशन एवं डॉ अभिषेक, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त रेल सुरक्षा बल भोपाल के मार्गदर्शन में मंडल क्षेत्राधिकार में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा अनाधिकृत वेंडरों के विरूद्व पॉच दिवसीय विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान दिनांक 28.08.2025 से 01.09.2025 तक एक साथ पूरे मंडल में संचालित किया गया। सीनियर डीसीएम श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि पॉच दिवसीय विशेष अभियान में मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों एवं ट्रेनो में अनाधिकृत तथा नियम विरूद्व फैरी करने वालो की सघन चैकिंग की गई, साथ ही पेन्ट्रीकार, साईड पैन्ट्रीकार एवं रेलवे स्टॉलो की भी जॉच की गई। अभियान के दौरान 600 अनाधिकृत वैण्डरों को पकड़ा गया और उनके विरूद्व रेल अधिनियम के तहत विविध कार्यवाही की गई। इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को बेहतर सुरक्षा, सुविधा एवं स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना था। यात्रियों की यात्रा को सुरक्षित एवं सुखद बनाने हेतु रेलवे सुरक्षा बल निरंतर प्रयासरत है। यह अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा।

ईओडब्ल्यू में अरेस्ट हो चुका है साइंस हाउस संचालक

भोपाल। आयकर विभाग की छापेमारी की जद में आए साइंस हाउस ग्रुप के संचालक जितेंद्र तिवारी को ईओडब्ल्यू अरेस्ट कर चुकी है। तिवारी की यह गिरफ्तारी ईओडब्ल्यू की टीम ने दिल्ली में तब की थी जब वह दो महीने तक चाइना में रुकने के बाद देश वापस लौटा था। उसके खिलाफ अनूपपुर जिले में एक मामले में आर्थिक गड़बड़ी के मामले मे केस दर्ज हो चुका है। एमपी के अनूपपुर जिले में मनमानी कीमत पर दवाओं और मेडिकल उपकरणों की सप्लाई कर राज्य सरकार को करोड़ों की चपत लगाने के मामले में जितेंद्र तिवारी को गिरफ्तार करने की कार्यवाही एक साल पहले जून 2024 में की गई थी। दवाओं और उपकरणों के मामले में आर्थिक अनियमितता पाए जाने पर साइंस हाउस के डायरेक्टर जितेंद्र तिवारी और उसके भाई शैलेंद्र तिवारी के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया गया था। इसके बाद दिल्ली पहुंचते ही सीआईएसएफ ने इनकी गिरफ्तारी की थी।

सरकारी अस्पतालों के दवा-उपकरण सप्लायर का चाइना कनेक्शन

भोपाल। आयकर विभाग ने भोपाल, इंदौर, मुंबई समेत कई शहरों में तीस से अधिक ठिकानों पर छापे मारे हैं। कार्रवाई भोपाल के एमपी नगर स्थित साइंस हाउस मेडिकल प्राइवेट लिमिटेड (एसएचएमपीएल) और इंदौर में उसके सहयोगी संस्थानों के ठिकानों पर की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, छापे के दौरान भारी मात्रा में टैक्स चोरी के दस्तावेज जब्त किए गए हैं। उनकी जांच जारी है। टीम सुबह करीब 5 बजे साइंस हाउस पहुंची। फिलहाल अफसर, इसके संचालक जितेंद्र तिवारी और उनके सहयोगी सॉफ्टवेयर इंजीनियर रोहित गुप्ता, कंसल्टेंट दिनेश बारोलिया, शिखा राजोरिया से पूछताछ कर रहे हैं। साइंस हाउस का मेन ऑफिस भोपाल में गौतम नगर के मकान नंबर सी-25 में 1994 से चल रहा है। कंपनी देशभर में मेडिकल इक्विपमेंट्स की सप्लाई करती है। डायग्नोस्टिक सर्विस भी देती है। पैथालॉजी लैब और निजी अस्पताल की भी सेवाएं भी उपलब्ध कराती हैं।

महापौर मालती राय ने निगम आयुक्त के साथ विसर्जन घाटों का निरीक्षण कर दिए निर्देश

भगवान गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन सुव्यवस्थित ढंग से कराने की व्यवस्थाएं करें

- जलाशयों की स्वच्छता बनाए रखने हेतु पूजन सामग्री
- निर्धारित पात्रों में ही रखने हेतु नागरिकों से की अपील

भोपाल ■ निसं

महापौर श्रीमती मालती राय ने निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के साथ भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु निर्धारित 07 विसर्जन घाटों का निरीक्षण किया और प्रतिमाओं का विसर्जन सुगम एवं सुव्यवस्थित ढंग से कराने हेतु सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्व एवं विसर्जन समाप्ति तक निरंतरता के साथ सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। महापौर श्रीमती राय ने शहर के नागरिकों से अपील की है कि वह जलाशयों की स्वच्छता बनाए रखने के दृष्टिगत पूजन सामग्री को निर्धारित पात्रों में ही रखे। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्तद्वय वरूण अवस्थी व देवेन्द्र सिंह चैहान, महापौर परिषद के सदस्य राजेश हिंगोरानी, आर.के.सिंह बघेल, जोन अध्यक्षगण बाबूलाल यादव, श्रीमती स्नेहलता रघुवंशी, विकास पटेल, राजेश चैकसे, श्रीमती आरती अनेजा, श्रीमती बृजुला सचान, पार्षदगण पप्पू विलास, अरविन्द वर्मा सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

महापौर श्रीमती मालती राय ने निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के साथ मंगलवार को शाहपुरा, प्रेमपुरा, खटलापुरा, रानी कमलापति, बैरागढ़, मालीखेड़ी एवं हथाईखेड़ा विसर्जन घाटों का निरीक्षण किया और भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु नगर निगम द्वारा प्रत्येक घाट एवं अस्थायी प्रतिमा एकत्रीकरण स्थल पर की जा रही व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। महापौर श्रीमती मालती राय ने निर्देशित किया कि सभी विसर्जन घाटों पर आवागमन एवं सुरक्षा के दृष्टिगत व्यवस्थित बैरीकेटिंग करें तथा घाटों/कुंडों पर पर्याप्त संख्या में संसाधनों सहित गोताखोर, क्रेन, फॉयर ब्रिगेड की व्यवस्था के साथ ही विसर्जन स्थलों एवं प्रतिमा एकत्रीकरण स्थलों पर साफ-सफाई, मार्गों का व्यवस्थिकरण, पर्याप्त पेयजल, प्रकाश आदि की व्यवस्था समय से पूर्व सुनिश्चित करने और विसर्जन समाप्ति तक सभी व्यवस्थाएं निरंतर बनाए रखने के निर्देश दिए।

महापौर श्रीमती राय ने प्रेमपुरा विसर्जन स्थल परिसर में आवश्यकतानुसार गिट्टी जीरा डालकर समतलीकरण कराने, सभी विसर्जन स्थलों के मार्गों को अतिक्रमणमुक्त बनाने, मालीखेड़ी तालाब के किनारे सुरक्षा के दृष्टिगत जाली लगवाने, पार्किंग स्थलों को सुव्यवस्थित बनाने, विसर्जन स्थलों पर पूजन सामग्री आदि पृथक-पृथक एकत्र करने हेतु वालेन्टियर्स की व्यवस्था करने तथा सभी विसर्जन स्थलों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों सहित सभी संसाधनों की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए। महापौर श्रीमती राय ने नागरिकों से अपील की है कि अपने शहर और शहर में विद्यमान जलाशयों की स्वच्छता का ध्यान रखे और विसर्जन के दौरान पूजन सामग्री को विसर्जन स्थलों एवं प्रतिमा एकत्रीकरण स्थलों पर निर्धारित पात्रों में ही रखे। महापौर श्रीमती राय ने नागरिकों से अपील की है कि वह स्वयं भी स्वच्छता हेतु निगम की व्यवस्थाओं में सहयोग करें और अन्य नागरिकों को भी स्वच्छता बनाए रखने हेतु प्रेरित करें।

नगर निगम द्वारा भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु शहर के प्रमुख 07 स्थानों पर विसर्जन घाट/विसर्जन कुंड में पर्याप्त व्यवस्थाएं की है।

एम्स भोपाल में नेत्र दान पर राष्ट्रीय सीएमई, जागरूकता और दृष्टि पुर्नस्थापन पर जोर

भोपाल ■ निसं

एम्स भोपाल के नेत्र विज्ञान विभाग ने 31 अगस्त 2025 को राष्ट्रीय नेत्र दान पखवाड़े के अंतर्गत एक राष्ट्रीय सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) माधवानंद कर ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. प्रभाकर तिवारी, डॉ. निचलानी और डॉ. ललित श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे। सीएमई में प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने अपनी विशेषज्ञता और अनुभव साझा किए। डॉ. चिंदन मल्होत्रा (पीजीआई चंडीगढ़) ने पेनेट्रेटिंग केराटोप्लास्टी, ट्रांसप्लांटेशन और क्रॉस-लिंकिंग विषय पर मुख्य रूप से चर्चा की। डॉ. नेहा चतुर्वेदी ने स्टेरॉयड-प्रेरित ग्लॉकोमा पर प्रस्तुति दी, वहीं डॉ. प्रेरणा उपाध्याय ने केमिकल बर्न और नेत्र आघात के प्रबंधन पर अपने विचार व्यक्त किए। इन सत्रों ने प्रतिभागियों को नेत्र विज्ञान और दृष्टि पुनर्स्थापन के नवीनतम पहलुओं से समृद्ध किया।

कार्यक्रम में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों, इंटर्न और संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे यह आयोजन संवादात्मक और ज्ञानवर्धक बन गया। कार्यक्रम के अंत में एक क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए।

यह राष्ट्रीय सीएमई न केवल वैज्ञानिक विचार-विमर्श का मंच बनी, बल्कि नेत्र दान के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने की दिशा में भी एक अहम पहल सिद्ध हुई। अधिक से अधिक लोगों को नेत्र दान के लिए प्रेरित कर, इस आयोजन ने एम्स भोपाल की स्वास्थ्य शिक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता को और प्रबल किया है।

दस्तक अभियान के तहत स्वास्थ्य संस्थाओं में सीएमएचओ ने देखी सेवाओं की स्थिति

बच्चों के सतत् फॉलोअप के दिए निर्देश

भोपाल ■ निसं

बाल्यकालीन बीमारियों की रोकथाम और पोषण के लिए चलाए जा रहे दस्तक अभियान की सेवाओं का जायजा मंगलवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. मनीष शर्मा द्वारा लिया गया। इस दौरान शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अशोका गार्डन एवं मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक एकतापुरी में जिंक ओआरएस कॉर्नर सहित विभिन्न सेवाओं का निरीक्षण किया गया। अशोका गार्डन में जिंक एवं ओआरएस वितरण एवं फॉलोअप रिकॉर्ड ठीक तरीके से संधारित नहीं करने पर स्टाफ को फटकार लगाई गई।

16 सितंबर तक संचालित दस्तक अभियान में 5 साल तक के बच्चों को स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी विभिन्न सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।अभियान में सघन दस्त नियंत्रण कार्यक्रम भी संचालित किया जा रहा है । जिसमें ओआरएस का पैकेट और जिंक की गोलियां निःशुल्क दी जा रही हैं।

निरीक्षण के दौरान संस्था में एएनसी पंजीयन एवं आयरन सुक्रोज की संख्या बढ़ाने, गर्भवती महिलाओं की जानकारी पोर्टल पर प्रविष्टि एवं समय पर अपडेट करने, निश्चय आईडी बनाने के निर्देश दिए गए। जिंक ओआरएस कॉर्नर के माध्यम से परिजनों को दस्त रोग के लक्षणों की जानकारी, ओआरएस बनाने की विधि, जिंक के उपयोग एवं फायदों के बारे में जागरूक करने हेतु निर्देशित किया गया। डॉ.शर्मा ने कहा कि अभियान में चिह्नांकित बच्चों के स्वास्थ्य का नियमित फॉलोअप किया जाए एवं आवश्यक होने पर उन्हें उच्च संस्था में शीघ्र रेफर किया जाए

भोपाल में खून से सना मिला युवती का शव

भोपाल। राजधानी भोपाल के टीटी नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक और सनसनीखेज वारदात सामने आई। 19 वर्षीय युवती रोशनी का शव उसके ही घर में खून से सना पड़ा मिला। युवती का गला धारदार हथियार से कटा हुआ था। इस घटना की सूचना सुबह करीब 7:30 बजे परिजनों ने पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। टीटी नगर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर गौरव सिंह ने बताया कि मौके से कोई धारदार हथियार बरामद नहीं हुआ है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि घर में कोई बाहरी व्यक्ति घुसा था या नहीं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि युवती की मौत किन परिस्थितियों में हुई है। परिजनों ने बताया कि रोशनी की जून माह में कोहेफिजा इलाके के रहने वाले एक युवक से सगाई हुई थी। अक्टूबर में उसकी शादी तय थी और घर में तैयारियां जोरों पर चल रही थीं।

तीन कलेक्टर समेत कई अधिकारियों का सरकारी बंगलों पर कब्जा

तत्काल खाली करने का नोटिस

भोपाल ■ निसं

मप्र सरकार ने राजधानी भोपाल में लंबे समय से बंगलों पर कब्जा जमाए बैठे तीन कलेक्टरों समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों पर सख्ती दिखाते हुए उनके सरकारी मकान खाली कराने के निर्देश दिए हैं। गृह विभाग ने एस्टेट विभाग को आदेश दिया है कि जिन अधिकारियों का तबादला महीनों पहले हो चुका है और उन्हें संबंधित जिलों में आवास आवंटित भी कर दिए गए हैं, वे तुरंत बंगले खाली करें।

जानकारी के अनुसार, दमोह कलेक्टर सुधीर कोचर, उमरिया कलेक्टर धरेंद्र कुमार जैन और मंदसौर कलेक्टर अदिति गर्ग राजधानी भोपाल में सरकारी मकान अब तक खाली नहीं किया है। यही नहीं, उज्जैन के अपर आयुक्त रत्नाकर झा, रायसेन की अपर कलेक्टर श्वेता पवार, राजगढ़ के सीईओ महीप तेजस्वी, ग्वालियर के डीआईजी अमित सांघी, ग्वालियर की अपर आयुक्त निधि सिंह, इंदौर के डीएसपी उमाकांत चौधरी और रीवा के सीईओ मेहताब सिंह गुर्जर भी महीनों से स्थानांतरण के बाद भोपाल के सरकारी मकानों में जमे हुए हैं। गृह विभाग ने साफ कर दिया है कि अब किसी को भी मोहलत नहीं मिलेगी।

निशा बांगरे को भी मिला था नोटिस

बता दें 2023 विधानसभा चुनाव के पहले डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे को भी सरकारी मकान खाली नहीं करने पर नोटिस भेजा गया था। बांगरे के चुनाव लडने की अटकलों के चलते यह मामला बहुत गरमाया था। उस समय नोटिस में उनके भोपाल से ट्रांसफर होने के बाद भी सरकारी आवास पर अवैध कब्जे के लिए कार्रवाई किए जाने की बात कही थी। हालांकि बांगरे ने निजी कारण से बंगला खाली नहीं कर पाने का कारण बताया था और नोटिस मिलने के कुछ दिन बाद बंगला खाली कर दिया था।

गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट 12 सितंबर और कूनो फॉरेस्ट रिट्रीट 5 अक्टूबर से

गांधीसागर और कूनो बने ईको-टूरिज्म व साहसिक पर्यटन के केंद्र : मंत्री लोधी

भोपाल ■ निसं

मध्य प्रदेश अब पर्यटकों को देने जा रहा है ऐसा सफर, जिसकी प्रतीक्षा लंबे समय से थी। जंगल की रोमांचक रातें, नदी और बैकवाटर्स की शांति, और आसमान को छूती साहसिक गतिविधियां, ये सब मिलकर जल्द शुरू करने जा रहे हैं पर्यटन का नया अध्याय। मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड, ईको-टूरिज्म और साहसिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के उद्देश्य से इस वर्ष दो महत्वपूर्ण आयोजनों का शुभारंभ करने जा रहा है। गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट का चतुर्थ संस्करण 12 सितंबर 2025 से मंदसौर जिले के गांधीसागर डैम पर और कूनो

फॉरेस्ट रिट्रीट का द्वितीय संस्करण 5 अक्टूबर 2025 से श्योपुर जिले के कूनो राष्ट्रीय उद्यान के समीप आयोजित होगा।

पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि गांधीसागर और कूनो जैसे फॉरेस्ट रिट्रीट केवल पर्यटन आयोजन नहीं हैं, बल्कि ये हमारे प्रदेश की प्राकृतिक धरोहर, सांस्कृतिक समृद्धि और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ने का प्रयास हैं। गांधीसागर और कूनो ईको-टूरिज्म व साहसिक पर्यटन के केंद्र के रूप में उभरे हैं। गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट का उद्देश्य प्रदेश को एडवेंचर टूरिज्म के मानचित्र पर विशेष पहचान दिलाना है, वहीं कूनो फॉरेस्ट रिट्रीट हमारे लिए वेलनेस और वन्यजीव पर्यटन का हब है। इन आयोजनों से न केवल देश-विदेश से पर्यटक आकर्षित होंगे बल्कि स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति, गृह और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा गांधीसागर और कूनो फॉरेस्ट रिट्रीट, अनुभव-आधारित पर्यटन के उदाहरण हैं। इन आयोजनों में आने वाले मेहमान उच्चस्तरीय और सर्व सुविधा युक्त ग्लेम्पिंग का आनंद उठाएंगे और जल, थल एवं वायु आधारित साहसिक गतिविधियों जैसे पैरासेलिंग, पैरामोटरिंग, जेट स्की, हॉट एयर बैलूनिंग, जंगल सफारी, नाइट वॉक और स्टार गेज़िंग का रोमांचक अनुभव प्राप्त करेंगे। ऑल सीजन टेंट सिटी के साथ ही बोट सफारी, बोट स्पा, योग एवं वेलनेस सत्र, स्थानीय व्यंजन, हस्तशिल्प प्रदर्शन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पर्यटकों को प्रदेश की संस्कृति और जीवन शैली से निकटता से जोड़ेंगी। इन आयोजनों को हमने इस तरह से आयोजित किया है कि पर्यटन के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय समुदायों की भागीदारी और सतत विकास को प्राथमिकता दी जाए।

गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट एंड फेस्टिवल (12 सितंबर 2025 से) - चंबल नदी पर बने गांधीसागर डैम के मनोहारी बैकवाटर क्षेत्र को एडवेंचर हब बनाने की दिशा में मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा यह आयोजन शुरू किया गया था, जो अब देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है।

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट में ढिलाई पर रद्द होगा डीलर्स का ट्रेड लाइसेंस

जिन वाहनों पर एचएसआरपी नहीं, उन्हें कई सुविधाएं नहीं मिलेंगी

भोपाल ■ निसं

हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) सभी वाहनों में न लगवा पाने के कारण मप्र का अन्य राज्यों से औसत कम है। इस कारण मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवेज (मॉर्थ) ने परिवहन विभाग को 3 महीने में बाकी बचे वाहनों पर एचएसआरपी लगवाने के निर्देश दिए हैं। इसमें 1 अप्रैल 2019 से पहले रजिस्टर्ड वाहनों में एचएसआरपी लगवाना और 1 अप्रैल 2019 के बाद के रजिस्टर्ड वाहनों में डीलर्स द्वारा नंबर प्लेट लगवाकर उन्हें सियाम पोर्टल पर अपलोड करवाना शामिल हैं। इसके बाद परिवहन आयुक्त विवेक शर्मा ने प्रदेश के सभी आरटीओ की बैठक लेकर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

इधर, भोपाल आरटीओ जितेंद्र शर्मा ने भी शोरूम डीलर्स के साथ बैठक कर ली है। इसमें एचएसआरपी जल्द लगवाने की व्यवस्था करने को कहा है। तीन महीने में यदि वाहन मालिकों ने 1 अप्रैल 2019 से पहले रजिस्टर्ड अपने वाहनों में एचएसआरपी नहीं लगवाई तो उन्हें परिवहन विभाग से मिलने वाली 15 तरह की सेवाएं नहीं मिलेंगी।

वहीं, 1 अप्रैल 2019 के बाद रजिस्टर्ड हुए वाहनों में डीलर्स ने एचएसआरपी नहीं लगाई तो उनका ट्रेड लाइसेंस भी निरस्त हो सकता है। भोपाल में 15 साल में करीब 19 लाख वाहन रजिस्टर्ड हैं। इनमें 5 लाख से ज्यादा वाहनों में एचएसआरपी नहीं लगी है।

संक्षिप्त समाचार

आदि कर्मयोगी अभियान के सम्बंध में 3 दिवसीय कार्यशाला आज से

खण्डवा। आदि कर्मयोगी अभियान के तहत मास्टर ट्रेनर्स के लिए 3 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 3 से 5 सितंबर तक किया गया है। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री संतोष शुक्ला ने बताया कि यह प्रशिक्षण सह कार्यशाला ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, आरसेटी में आयोजित की गई है। जिले के सभी विकासखंडों के मास्टर ट्रेनर्स को इस कार्यशाला में 3 सितंबर को प्रात: 9 बजे उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

इंदौर में नहीं होगी विधायक निर्मला सप्रे केस की सुनवाई

इंदौर। बीना विधायक निर्मला सप्रे के दलबदल के मामले में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की याचिका को इंदौर हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। सप्रे की सदस्यता रद्द किए जाने को लेकर हाईकोर्ट में दायर याचिका पर जस्टिस प्रणय वर्मा की बेंच ने अंतिम आदेश पारित किया। उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने अपने क्षेत्राधिकार में विचारणीय न होने के आधार पर यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि वे मुख्य पीठ के समक्ष दोबारा याचिका पेश करने के लिए स्वतंत्र हैं। आदेश सोमवार को जारी किया गया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने रिट पिटीशन दायर की थी। इसमें कहा गया था कि कांग्रेस से निर्वाचित विधायक निर्मला सप्रे बीजेपी में शामिल हो गई हैं, लेकिन उन्होंने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा नहीं दिया। याचिका में मांग की गई थी कि सप्रे ने पार्टी बदली है तो उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द की जानी चाहिए। इसके लिए पहले विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के समक्ष पत्र भेजा था लेकिन उस पर 90 दिन की तय अवधि में कोई कार्रवाई नहीं होने पर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। याचिका में कहा था कि संविधान की अनुसूची 10 के अनुसार कोई विधायक दल बदलता है, उसकी विस से सदस्यता निरस्त कर दी जाती है।

नदियों में उफान, शाजापुर में स्कूल बस फंसी

टीकमगढ़ में 20 लोगों का रेस्क्यू, नर्मदापुरम में तवा डैम के 3 गेट खोले

शाजापुर ■ निसं

स्ट्रॉन्ग सिस्टम के एक्टिव होने से मध्यप्रदेश में एक बार फिर तेज बारिश का दौर शुरू हो गया। मंगलवार को भोपाल, नर्मदापुरम, शाजापुर समेत कई जिलों में पानी गिरा। शाजापुर जिले के अकोदिया में भारी बारिश के बाद खारसौदा मार्ग की पुलिया डूब गई। यहां आवागमन बंद हो गया। एक स्कूल बस भी फंस गई। निचली बस्तियों में पानी भर गया। नर्मदापुरम जिले के इटारसी में रुक-रुक कर तेज और रिमझिम बारिश हो रही है। जलस्तर बढ़ने पर तवा डैम के 3 गेट दो-दो फीट की ऊंचाई तक खोले गए हैं। यह इस सीजन में दूसरी बार है, जब बांध के गेट खोले गए हैं। मऊगंज और पिपरिया में भी पानी गिरा। मौसम विभाग ने 15 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

टीकमगढ़ में 20 लोगों का रेस्क्यू: इससे पहले सोमवार देर शाम टीकमगढ़ में 20 लोग धसान नदी के बरा घाट पर फंस गए थे। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने उनको सुरक्षित रेस्क्यू किया। ये सभी कुडीला थाना क्षेत्र के निवासी हैं। धसान नदी में रेत का अवैध खनन करने गए थे। इसी दौरान जलस्तर बढ़ने से फंस गए थे।

मौसम विभाग के मुताबिक, जिन जिलों में अगले 24 घंटे के दौरान ढाई से साढ़े 4 इंच तक बारिश हो सकती है, उनमें उज्जैन, रतलाम, आगर-मालवा, राजगढ़, गुना, शिवपुरी, धार, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, कटनी, उमरिया, शहडोल, डिंडौरी और अनूपपुर शामिल हैं। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर में भी बारिश का दौर जारी रह सकता है।

मुरैना के अंबाह में तिरपाल ढांककर अंतिम संस्कार किया गया। दमोह में एक मकान गिर गया। मलबे में दबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। उसकी पत्नी घायल है, जिसे अस्पताल ले जाया गया। भोपाल में रुक-रुककर कभी तेज तो कभी रिमझिम बारिश जारी रही।

रतलाम के धोलावाड़ डैम के तीन गेट खोलने पड़े। पलसोड़ा गांव पानी में पूरी तरह डूब गया। लोग छतों पर चढ़कर बैठे रहे। उसरगार और अमलेटा गांव के बीच नाले की पुलिया धंसने से ट्रैफिक रुक गया।

रतलाम में गांव डूबा, मुरैना में तिरपाल के नीचे अंतिम संस्कार

मानसून ट्रफ की एक्टिविटी इस समय प्रदेश में है। सोमवार को सबसे ज्यादा दमोह में 2.3 इंच पानी गिर गया। रतलाम-दतिया में डेढ़ इंच, ग्वालियर में पौन इंच और भोपाल में आधा इंच बारिश हो गई। बैतूल, इंदौर, पचमढ़ी, गुना, शाजापुर, भिंड, निवाड़ी, छतरपुर, बालाघाट, मंदसौर, सतना, नर्मदापुरम, शिवपुरी, छिंदवाड़ा, जबलपुर, नौगांव, सागर, सिवनी, सीधी, टीकमगढ़, उमरिया, बालाघाट में भी बारिश का दौर बना रहा।

दमोह में सबसे ज्यादा 2.6 इंच पानी गिरा

पिछले 24 घंटे के दौरान मध्यप्रदेश के 32 से अधिक जिलों में बारिश का दौर रहा। सबसे ज्यादा दमोह में 2.6 इंच पानी गिर गया। रतलाम, श्योपुर-दतिया में डेढ़ इंच, ग्वालियर में सवा इंच, गुना में 1 इंच और भोपाल में आधा इंच बारिश हो गई। सिवनी, बैतूल, मंडला, रायसेन, छतरपुर, शिवपुरी, टीकमगढ़, सीधी, इंदौर, सागर, नर्मदापुरम, उमरिया, जबलपुर, खंडवा, सतना, छिंदवाड़ा, बालाघाट, नरसिंहपुर, भिंड, निवाड़ी, मंदसौर, शाजापुर, राजगढ़, सीहोर, विदिशा समेत कई जिलों में हल्की बारिश का दौर जारी रहा।

पुलिस ने 13 वाहनों पर किया 4900 का चालान

माखननगर। वाहन चालकों को ट्राफिक नियमों का पालन कराने और उनकी सुरक्षा के मध्येनजर माखननगर पुलिस लगातार चलानी कार्यवाही कर रही है। इसी के तहत सोमवार को थाने के सामने स्टेट हाईवे पर वाहन चैकिंग शुरू की गई और 13 दो व चार पहिया वाहन पर चालानी कार्यवाही कर 4900 रुपये का राजस्व बसूला गया।

दसवीं पर बाबा रामदेव की संगीतमय भव्य शोभायात्रा

बाबा रामदेव के मधुर भजन संगीत के साथ नृत्य करते निकले सैकड़ों महिला पुरुष श्रद्धालु गण

सिवनी मालवा ■ निसं

नगर में मंगलवार दशमी तिथि को बाबा रामदेव की संगीत मय दोपहर तीन बजे से हनुमान मंदिर के पास सरस्वती परिसर से सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु महिला पुरुष और बच्चे रामदेव बाबा के मधुर संगीत में भजनों पर नाचते गाते ढोल नगाड़ों के साथ प्रारम्भ हुई।

जो नगर के मुख्य मार्ग रेंज ऑफिस चौक कल्लू चौक गांधी चौक जय स्तंभ चौक नए बस स्टैंड बानापुरा होते हुए निकली जिसका श्रद्धालुओ द्वारा जगह जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। स्वागत के साथ श्रद्धालुओ ने बाबा रामदेव की पूजन आरती किया। शोभायात्रा के साथ श्रद्धालु गीतों और बाबा के भजनो पर नाचते हुए चल रहे थे। श्रद्धालु बाबा रामदेव की ध्वजा अपने हाथों में लेकर चल रहे थे। शोभायात्रा के साथ घोड़ो पर सवार श्रद्धालु अपने हाथों में ध्वजा लेकर चल रहे थे। यह शोभायात्रा बाबा रा देवरा प्रसिद्ध देव स्थल भीलटदेव बाबा रामदेव के मंदिर पहुंची। जहा बाबा रामदेव की महाआरती कर प्रसाद वितरण किया गया।

माखननगर। श्री गणेश उत्सव पर नगर के वागरा तवा रोड पर पुरोहित परिवार द्वारा स्थापित गणेश प्रतिमा।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का कांग्रेस पर हमला, बोले- ऐसी चरित्रहीन पार्टी के बारे में क्या बात करना

इंदौर ■ निसं

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस पार्टी को चरित्रहीन पार्टी बताया है। इंदौर आए सिंधिया ने भाजपा कार्यालय पर मीडिया से चर्चा में कांग्रेस पर जमकर प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस ऐसी चरित्रहीन पार्टी हो गई है, जिसके बारे में बात भी नहीं की जा सकती। पीएम की दिवंगत मां को अपशब्द कहने के मामले में उन्होंने कहा कि जो दल चरित्रहीन होते हैं, उनकी स्थिति ऐसी ही स्तरहीन हो जाती है।

सिंधिया मंगलवार को इंदौर भाजपा कार्यालय पहुंचे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। बाद में मीडिया से चर्चा में कांग्रेस और उसके नेताओं पर जमकर हमला किया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा प्रदेश की महिलाओं को शराबी कहने पर प्रतिक्रिया देते हुए सिंधिया ने कांग्रेस पार्टी को चरित्रहीन बताया। जीतू पटवारी के खेलों में परिवारवाद को लेकर दिए बयान पर सिंधिया ने कहा कि उनका स्वागत है। उन्होंने कहा-जो दल चरित्रहीन होता है जब उनकी स्थिति स्तरहीन हो जाती है। उसमें सारी सीमाओं की पराकाष्ठा का उल्लंघन होता है। तब उस संगठन, व्यक्ति या दल की क्या स्थिति होती है यह देश की जनता ने बता दिया।

सिंधिया ने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री देश को आगे बढ़ाने में लगे हैं। दूसरी तरफ विपक्ष के नेता, कार्यकर्ता उनके खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग कर रहे हैं।

इंदौर के कार्टूनिस्ट को सुप्रीम कोर्ट से अग्रिम जमानत

कोर्ट ने कहा- जांच में सहयोग नहीं किया तो होगी निरस्त

इंदौर ■ निसं

इंदौर के कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय को सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को शर्तों के साथ अग्रिम जमानत (एंटीसिपेट्री बेल) दे दी। हालांकि कोर्ट ने मालवीय को पुलिस जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने निर्देश दिए कि जांच में सहयोग नहीं करने पर जमानत रद्द की जा सकती है। मालवीय पर आरोप है कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का विवादित कार्टून बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया था। इससे पहले 23 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर मालवीय ने सोशल मीडिया पर माफी भी मांगी थी। इसके बाद मंगलवार को सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अग्रिम जमानत दे दी।

पीएम को इंजेक्शन लगाते हुए दिखाया था: एफआईआर के अनुसार, मालवीय के कार्टून में आरएसएस की वर्दी पहने एक व्यक्ति को शर्ट्स उतारे हुए और प्रधानमंत्री मोदी को इंजेक्शन लगाते हुए दिखाया गया था। इस कार्टून से भावनाएं आहत होने पर इंदौर के विनय जोशी ने पुलिस से शिकायत कर दी थी। पोस्ट में कथित तौर पर भगवान शिव से जुड़ी टिप्पणियां भी थीं, जिन्हें उच्च न्यायालय ने अपमानजनक पाया।

कोर्ट ने दस दिन में माफीनामा लिखने को कहा

सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में सुनवाई हुई। मालवीय ने कोर्ट में कहा कि वह आरएसएस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अशोभनीय व्यंग्य चित्र बनाने के लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर माफीनामा प्रकाशित करेंगे। यह सुनवाई 19 अगस्त को हुई। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने दस दिन में माफीनामा प्रकाशित करने का निर्देश दिया।

हमारा विद्यालय-हमारा स्वाभिमान के साथ शिक्षक, विद्यार्थियों ने संकल्प लिया

सिवनी मालवा ■ निसं

लोक शिक्षण संचनालय मध्यप्रदेश शिक्षा विभाग के निर्देश पर हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान के विचार की थीम के साथ विकासखण्ड सिवनी मालवा के शासकीय, अशासकीय विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम, अनुशासन, पर्यावरण सौंदर्भ, छात्रों के चरित्र निर्माण, सेवा, समर्पण, संस्कार तथा भेदभाव रहित वातावरण निर्माण की दृष्टि से 01 सितम्बर 2025 को %हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान के विचार, भाव को लेकर विद्यालय के शिक्षक तथा अध्ययनरत विद्यार्थियों ने एक साझा संकल्प का वाचन कर संकल्प लिया। जिसमें विद्यालय परिसर की स्वच्छता, अनुशासन तथा प्रेरणास्पद वातावरण बनातें हुए विद्यालय की सम्पदा-संसाधन को राष्ट्रधन मानते हुए इनका संरक्षण कर भेदभाव रहित शिक्षण, आत्म विकास एवं चरित्र निर्माण, सेवा समर्पण के प्रति ध्यान आकृष्ट करने हेतु शिक्षक-शिक्षिकाएं विद्यालय में संकल्प पत्र का वाचन भी किया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए जिला शिक्षा अधिकारी नर्मदापुरम ने विकासखंड नोडल अधिकारी प्राचार्य श्याम सिंह रघुवंशी, सहायक नोडल अधिकारी प्राचार्य, सुरेंद्र कुमार पाटिल नियुक्त किया गया था।

14 सितंबर को ग्राम कालमुखी में आयोजित होगा वृहद स्वास्थ्य शिविर

खंडवा ■ निसं

कमिश्नर इन्दौर संभाग इंदौर के निर्देश अनुसार संभाग के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में जिला प्रशासन के सहयोग से मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर हायर सेकेण्ड्री स्कूल कालमुखी में आयोजित होगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि इस स्वास्थ्य शिविर में दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों की विभिन्न बीमारियों की स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श, अत्याधुनिक मशीनों से की जाएगी। शिविर में इंदौर के प्रसिद्ध प्राईवेट डॉक्टर्स एवं मेडिकल कालेज के चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा भी सेवाएं दी जायेंगी। इस स्वास्थ्य शिविर में इन्दौर कैंसर फाउंडेशन, बॉम्बे हॉस्पिटल, अपोलो राजश्री इन्दौर, कोकिलाबेन धीरूभाई अम्बानी हास्पिटल, चौईथराम हास्पिटल, शैल्वी हास्पिटल, एलएनसीटी चिकित्सा महाविद्यालय, विशेष जुपीटर, मेंदाता हास्पिटल इन्दौर, केयर सीएचएल अस्पताल इन्दौर, मेडिकल कालेज इन्दौर के विशेषज्ञ, मेडिकल कालेज खण्डवा एवं जिला अस्पताल खण्डवा के विशेषज्ञों द्वारा सेवायें दी जायेंगी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जुगतावत ने बताया कि स्वास्थ्य शिविर में कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजिस्ट, जनरल मेडिसिन, जनरल फिजिशन, जनरल एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन, जनरल सर्जरी, शिशु रोग, बाल हृदय रोग, गेस्ट्रोलॉजी, नाक कान गला रोग, रेडियो थेरेपी, रेडियो डायग्नोसिस, स्त्री रोग विशेषज्ञ, कैंसर, सिकल सेल, टीबी, लेप्रोसी, सिलोकोसिस हड्डी रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग, दन्त रोग, मानसिक रोग, चर्म रोग, क्षय रोग, कुष्ठ रोग जैसे विभागों के चिकित्सकों द्वारा इन रोगों के मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर नि:शुल्क उपचार किया जायेगा। इसके साथ ही मरीजों को एक्स-रे, ई.सी.जी., ईको मेमोग्राफी, सोनोग्राफी, पेथोलॉजी जांच, सिकल सेल जांच की सुविधा भी नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। शिविर में मरीजों को दवाईयों का नि:शुल्क वितरण भी किया जायेगा। इसके साथ ही शिविर में दिव्यांगजनों के मेडिकल प्रमाण पत्र, भी प्रदान किये जायेंगे।

रियलिटी शो की शूटिंग से गांव में गंदगी

सीहोर में पंचायत को राजस्व नहीं, तालाब में फेंका कचरा, सड़कें भी टूटीं

सीहोर ■ निसं

सीहोर के बमुलिया गांव में रियलिटी शो छोरियां चली गांव की की शूटिंग डेढ़ महीने से जारी है। शूटिंग यूनिट ने पंचायत के खेल मैदान, मंदिर और सरकारी स्कूल का उपयोग किया। लेकिन पंचायत को कोई कर नहीं दिया गया।

शूटिंग यूनिट की लापरवाही से गांव को नुकसान हो रहा है। यूनिट से निकलने वाला कचरा बमुलिया और शिकारपुर तालाब के पास फेंका जा रहा है। इससे तालाब का पानी प्रदूषित हो रहा है। ग्रामीण आकाश परमार के अनुसार, तालाब का पानी मवेशी पीते हैं। प्लास्टिक और बचा हुआ खाना तालाब में फेंकने से मवेशियों की जान को खतरा है।

ग्राम पंचायतों के राजस्व में कोई वृद्धि नहीं

पिछले कुछ वर्षों में सीहोर की प्राकृतिक लोकेशन फिल्म और वेब सीरीज निर्माताओं को आकर्षित कर रही हैं। यहां शूट की गई फिल्में देश-विदेश में नाम कमा रही हैं। लेकिन इससे ग्राम पंचायतों के राजस्व में कोई वृद्धि नहीं हुई है। उल्टा गंदगी और सड़कों की टूट-फूट से ग्रामीण नाराज हैं। सरपंच और सचिव ने भी इस मामले में कोई आपत्ति दर्ज नहीं की है।

खाटू श्याम के दर्शन करने जा रहे थे राजस्थान, ट्रक की टक्कर से हुआ हादसा

ग्वालियर-झांसी हाइवे पर पलटी स्कॉर्पियो, दो की मौत, चार घायल

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर-झांसी हाईवे पर भरथरी के पास एक स्कॉर्पियो, ट्रक के कट लगने के बाद पलट गई है। हादसे में स्कॉर्पियो में सवार दो युवकों की मौत हो गई है, जबकि चार लोग घायल हुए हैं। घटना सोमवार शाम की बताई जा रही है। मंगलवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव ग्वालियर से झांसी भेजे गए। हादसे में घायलों का इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार मृतक और घायल सभी झांसी के रहने वाले हैं। यह सभी सोमवार को झांसी से खाटू श्याम बाबा के दर्शन करने राजस्थान के लिए निकले थे। ग्वालियर पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। घायलों का इलाज चल रहा है।

साथियों संग खाटू श्याम जा रहे थे दोनों: यूपी के झांसी निवासी सिद्धार्थ उर्फ सुभाष गुप्ता (32) एक निजी कंपनी में कर्मचारी हैं। वह अपने साथी शुभम उर्फ भरत नामदेव (31), मनीष उर्फ पप्पू यादव, अभिषेक यादव, राजाअली और शक्ति सिंह राजपूत के साथ सोमवार झांसी से खाटू श्याम के दर्शन करने के लिए स्कॉर्पियो से निकले थे।

साढ़े चार बजे के करीब वह भरथरी पुल के पास डबरा हाईवे पर खालसा ढाबा के सामने पर पहुंचे ही थे कि तभी तेज रफ्तार ट्रक ने ओवरटेक करने की जल्दबाजी में उनकी कार में कट मारी। स्पीड ज्यादा होने पर कट लगते ही स्कॉर्पियो बेकाबू होकर पहले डिवाइडर से टकराई फिर दूसरी ओर जाकर पलट गई।

स्थानीय लोगों ने की मदद

हादसे के बाद वहां से गुजर रहे अन्य वाहनों के चालक, स्थानीय निवासी बचाव में जुटे और पुलिस को हादसे की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को पुलिस वाहन व एम्बुलेंस की मदद से इलाज के लिए पहुंचाया। जहां पर सिद्धार्थ उर्फ सुभाष गुप्ता और शुभम् उर्फ भरत नामदेव को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि चार को गंभीर हालत में उपचार के लिए भर्ती कर लिया है।

डॉक्टरों का कहना है कि समय रहते घायलों को भर्ती कराने पर उनकी जान बच गई, क्योंकि घायलों का खून ज्यादा निकलने पर उनकी हालत गंभीर थी और कुछ समय की देरी से उनकी जान जा सकती थी।

जल्द ट्रक चालक को पकड़ेंगे: सीएसपी रोबिन जैन ने बताया कि एक स्कॉर्पियो में ट्रक ने कट मारा था, जिससे कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है, जबकि चार घायल हैं। जल्द ही ट्रक चालक को पकड़ा जाएगा।

अनमोल वचन

श्रेष्ठ होना कोई कार्य नही बल्कि यह हमारी एक आदत है जिसे हम बार बार करते है।
अरस्तु

विजेता बोलते हैं कि मुझे कुछ करना चाहिए, जबकि हारने वाले बोलते हैं कि कुछ होना चाहिए
शिव खेरा

भारत का आर्थिक मंथन और विकास का अमृत

हरदीप एस. पुरी

लेखक केन्द्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हैं

भारतीय सभ्यता में अरसे से यह मान्यता रही है कि कामयाबी से पहले परीक्षा होती है। समुद्र मंथन, जहां मथने की प्रकिया से अमृत निकला था, इसी तरह हमारे आर्थिक मंथन ने भी हमेशा ही नवीनता का मार्ग प्रशस्त किया है। वर्ष1991 के संकट से जहां उदारीकरण का जन्म हुआ; वहीं महामारी से डिजिटल उपयोग तेज हुआ। और आज, भारत को एक मृत अर्थव्यवस्था कहने वाले संशयवादियों के शोर-शराबे के बीच-तीव्र विकास, मजबूत बफर, और व्यापक अवसर- की एक तथ्यपरक कहानी उभर कर सामने आई है।

जीडीपी के ताजा आंकड़ों पर जरा गौर करें। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह वृद्धि दर पिछली पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह वृद्धि व्यापक है- सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 7.6 प्रतिशत बढ़ा है, जिसमें मैन्यूफैक्चरिंग 7.7 प्रतिशत, निर्माण 7.6 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र लगभग 9.3 प्रतिशत बढ़ा है। नॉमिनल जीडीपी में 8.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह कोई मनमाने तरीके से बताई गई तेजी नहीं है। यह बढ़ते उपभोग, मजबूत निवेश और निरंतर सार्वजनिक पूंजीगत व्यय व पूरी अर्थव्यवस्था में लागत कम करने वाले लॉजिस्टिक्स संबंधी सुधारों से हासिल नतीजों का सबूत है।

भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे तेज गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। यह तेजी के मामले में दुनिया की पहली और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं क्रमश: अमेरिका और चीन से भी आगे निकल गई है। वर्तमान गति से, हम इस दशक के अंत तक जर्मनी को पीछे छोड़कर बाजार-विनिमय के संदर्भ में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। हमारी गति वैश्विक स्तर पर मायने रखती है। स्वतंत्र अनुमान बताते हैं कि भारत पहले से ही वैश्विक वृद्धि में 15 प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री ने एक स्पष्ट लक्ष्य रखा है – सुधारों के मजबूत होने और नई क्षमताओं के सामने आने के साथ-साथ वैश्विक वृद्धि में हमारी हिस्सेदारी बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंचे।

विभिन्न बाजारों और रेटिंग एजेंसियों ने हमारे इस अनुशासन को मान्यता दी है। एसएंडपी ग्लोबल ने मजबूत विकास, मौद्रिक विश्वसनीयता और राजकोषीय सुदृढ़ीकरण का हवाला देते हुए, 18 वर्षों में पहली बार भारत की 'सॉवरेन रेटिंग' को उन्नत किया है। इस अपग्रेड से उधार लेने की लागत कम होती है और निवेशक आधार का विस्तार होता है। यह मृत अर्थव्यवस्था की धारणा को भी झुठलाता है। जोखिम के स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ताओं ने अपनी रेटिंग के साथ अपना मत दिया है।

उतना ही महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि आखिर इस सबका लाभ किसे मिला है। वर्ष 2013-14 और 2022-23 के बीच, 24.82 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी से बाहर निकल आए हैं। यह बदलाव उन बुनियादी सेवाओं – बैंक खाते, रसोई के लिए स्वच्छ ईंधन, स्वास्थ्य बीमा, नल का जल और प्रत्यक्ष हस्तांतरण – की बड़े पैमाने पर आपूर्ति पर निर्भर है जो गरीबों को विकल्प चुनने का अधिकार देता है। दुनिया के सबसे जीवंत लोकतंत्र और उल्लेखनीय जनसांख्यिकीय चुनौतियों के बीच विकास का यह पैमाना बेहद खास है। विकास का भारत का यह मॉडल आम सहमति के निर्माण, प्रतिस्पर्धी संघवाद और डिजिटल माध्यमों के उपयोग से अंतिम छोर तक सेवा प्रदान करने को महत्व देता है। यह घोषणा के मामले में धीमा, क्रियान्वयन के मामले में तेज और निर्माण की दृष्टि से टिकाऊ है। जब आलोचक हमारी तुलना तेज भागने वाले सत्तावादियों से करते हैं, तो वे इस तथ्य को नजरअंदाज कर देते हैं कि हम मैराथन धावक की तर्ज पर लंबी दूरी तय करने वाली एक अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं।

भारत के पेट्रोलियम मंत्री के रूप में, मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूं कि हमारी ऊर्जा सुरक्षा इस तीव्र विकास में किस प्रकार सहायक की भूमिका निभा रही है। आज, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता, चौथा सबसे बड़ा तेलशोधक (रिफाइनर) और एलएनजी का चौथा सबसे बड़ा आयातक है। हमारी तेलशोधन (रिफाइनिंग) क्षमता 5.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन से अधिक है और इस दशक के अंत तक इसे 400 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से आगे बढ़ाने का एक स्पष्ट रोडमैप हमारे पास उपलब्ध है।

भारत की ऊर्जा संबंधी मांग – जो 2047 तक दोगुनी होने का अनुमान है – बढ़ती वैश्विक मांग का लगभग एक-चौथाई हिस्सा होगी, जिससे हमारी सफलता वैश्विक ऊर्जा स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण बन जाएगी। सरकार का दृष्टिकोण सुरक्षा को सुधार के साथ जोड़ने का रहा है। तेल की खोज का क्षेत्र 2021 में तलछटी घाटियों के 8 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 16 प्रतिशत से अधिक हो गया है। हमारा लक्ष्य 2030 तक इसे बढ़ाकर 10 लाख वर्ग किलोमीटर करना है। तथाकथित 'निषिद्ध' (नो-गो) क्षेत्रों में 99 प्रतिशत की भारी कमी ने अपार संभावनाओं को जन्म दिया है, जबकि ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएएलपी) पारदर्शी व प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया सुनिश्चित करती है। गैस मूल्य निर्धारण से संबंधी नए सुधारों – जिनमें कीमतों को भारतीय कच्चे तेल की टोकरी से जोड़ा गया है और गहरे पानी एवं नए कुओं के लिए 20 प्रतिशत प्रीमियम की पेशकश की गई है – ने निवेश को बढ़ावा दिया है।

हमारी ऊर्जा की कहानी सिर्फ हाइड्रोकार्बन की ही नहीं, बल्कि बदलाव की भी कहानी है। वर्ष 2014 में इथेनॉल मिश्रण 1.5 प्रतिशत से बढ़कर आज 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत के बराबर हो गई है और किसानों को सीधे एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान हुआ है। सतत के तहत 300 से ज़्यादा संपीड़ित बायोगैस संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिनका लक्ष्य 2028 तक 5 प्रतिशत मिश्रण का है और तेल से जुड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर कुछ जगहों में काफी शोरगुल हुआ है। आइए तथ्यों को इस शोरशराबे से अलग करके देखें। रूस की तेल पर ईरान या वेनेजुएला के कच्चे तेल की तरह कभी प्रतिबंध नहीं लगाया गया। यह जी7/ईयू मूल्य-सीमा प्रणाली के अंतर्गत है जिसे जानबूझकर राजस्व को सीमित रखते हुए तेल प्रवाह को बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया है। ऐसे पैकेजों के 18 दौर हो चुके हैं और भारत ने हरेक दौर का पालन किया है। प्रत्येक लेनदेन में कानूनी लदान (शिपिंग) एवं बीमा, अनुपालन करने वाले व्यापारियों और लेखा-परीक्षण (ऑडिट) किए गए चैनलों का उपयोग किया गया है। हमने कोई नियम नहीं तोड़े हैं। हमने बाजारों को स्थिर किया है और वैश्विक कीमतों को बढ़ने से रोका है।

कुछ आलोचकों का आरोप है कि भारत रूस के तेल के लिए एक लौंड्रोमैट बन गया है। इससे अधिक निराधार बात और कुछ नहीं हो सकती। भारत इस संघर्ष से काफी पहले दशकों से पेट्रोलियम उत्पादों का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक रहा है और हमारे रिफाइनर विश्व भर से इस प्रकार के क्रूड का एक समूह बनाते हैं। निर्यात आपूर्ति श्रृंखलाओं को सक्रिय रखता है। वास्तव में, रूस के कच्चे तेल पर प्रतिबंध लगाने के बाद यूरोप ने भी भारतीय ईंधनों की ओर रुख किया। निर्यात की मात्रा और रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) मोटे तौर पर समान ही हैं।

सम्पादकीय

पंजाब में बाढ़ आखिर क्यों - क्या प्रकृति रुष्ट है?

प्रकृति चेतावनी देती है, रुष्ट नहीं होती – असली वजह इंसानी लापरवाही और असंतुलित विकास पंजाब में बाढ़ को केवल प्राकृतिक आपदा कहना सही नहीं होगा। नदियों का स्वरूप, असामान्य बारिश और जलवायु परिवर्तन तो कारण हैं ही, लेकिन असली दोषी अनियोजित निर्माण, अवैध खनन, ड्रेनेज की उपेक्षा और धान-प्रधान कृषि पद्धति भी है। प्रकृति चेतावनी देती है, रुष्ट नहीं होती। यदि हम नदियों को उनका मार्ग दें, जल का विवेकपूर्ण उपयोग करें और फसल विविधिकरण अपनाएँ, तो बाढ़ की मार को कम किया जा सकता है। पंजाब को चाहिए कि वह पर्यावरण के साथ संतुलन बनाकर विकास की नई राह तय करे। पंजाब, जिसे देश की अन्नदाता भूमि कहा जाता है, आज बाढ़ की विभीषिका से बार-बार जूझ रहा है। खेत जलमग्न हो जाते हैं, गाँव डूब जाते हैं, सड़कें और मकान ढह जाते हैं। हर बार यह सवाल उठता है कि आखिर पंजाब में बाढ़ क्यों आती है? क्या यह केवल प्रकृति की रुष्टता है या फिर इसके पीछे कहीं न कहीं हमारी अपनी भूलें भी जिम्मेदार हैं? सच यह है कि प्रकृति कभी किसी से नाराज़ नहीं होती, वह केवल अपने नियमों और संतुलन के आधार पर काम करती है। जब हम इंसान उसकी मर्यादाओं को लांघते हैं, तो परिणाम हमें बाढ़, सूखा, प्रदूषण और आपदा के रूप में भुगतने पड़ते हैं। पंजाब की धरती पाँच नदियों की भूमि कहलाती है। सतलुज, ब्यास, रावी, चिनाब और झेलम ने इस राज्य की पहचान बनाई। इनमें से अधिकांश नदियाँ हिमालय से निकलती हैं और मानसून के मौसम में बर्फ़ पिघलने व वर्षा के कारण जलस्तर अचानक बढ़ा देती हैं। नदियों की धाराएँ तेज़ होती हैं और जब वे मैदानों में प्रवेश करती हैं तो पानी फैलकर बाढ़ का रूप ले लेता है। भाखड़ा, पोंग और रणजीत सागर जैसे बड़े बांध भले ही बाढ़ नियंत्रण और सिंचाई के लिए बने हों, लेकिन जब इनसे अचानक पानी छोड़ा जाता है तो आसपास के इलाके जलमग्न हो जाते हैं। यह प्राकृतिक कारणों के साथ-साथ प्रबंधन की कमी को भी उजागर करता है। पिछले कुछ वर्षों में मानसून का पैटर्न काफी बदल गया है। पहले जहाँ बरसात धीरे-धीरे और लंबे समय तक होती थी, अब अचानक भारी वर्षा कम समय में हो जाती है। इससे नदियों और नालों में पानी का दबाव तेजी से बढ़ता है और फ्लैश फ्लड जैसी स्थिति पैदा हो जाती है। जलवायु वैज्ञानिक मानते हैं कि ग्रीनहाउस गैसों का बढ़ना और ग्लोबल वार्मिंग इसका बड़ा कारण है। इससे हिमालयी ग्लेशियर तेज़ी से पिघल रहे हैं। परिणामस्वरूप गर्मियों और बरसात के मौसम में नदियों का जलस्तर अनियंत्रित ढंग से बढ़ जाता है। प्राकृतिक बाढ़ को विनाशकारी बनाने में सबसे बड़ी भूमिका इंसानी हस्तक्षेप की है। नदियों के किनारों और तलहटी में अंधाधुंध निर्माण कार्य हुए। गाँव और शहर नालों व पुरानी जलधाराओं पर बस गए। रेत और बजरी का अत्यधिक खनन नदियों की गहराई और धार बदल देता है। जब पानी का मार्ग रुकता है तो वह आसपास की बस्तियों में घुस आता है। पंजाब में ड्रेन और नहरों का जाल तो है लेकिन अधिकांश जगह इनकी सफाई व मरम्मत समय पर नहीं होती। नतीजतन बारिश का पानी निकलने की जगह वापस गाँव-शहरों में भर जाता है। इसके साथ ही धान जैसी फसलों ने भूजल का अत्यधिक दोहन किया। मिट्टी की जलधारण क्षमता कम हुई और प्राकृतिक जलसंचयन तंत्र टूट गया। पंजाब हरित क्रांति का केंद्र रहा। यहाँ गेहूँ और चावल की खेती ने देश को अन्न सुरक्षा दी, लेकिन इसके दुष्परिणाम भी सामने आए। धान की फसल पानी की अत्यधिक मांग करती है। हर साल लाखों ट्यूबवेल से भूजल निकाला गया। इससे भूमिगत जलस्रोत तेजी से सूख गए। जब ऊपर से भारी बारिश या बाढ़ आई तो जमीन उसे सोख नहीं पाई और जलभराव की समस्या बढ़ गई। वनों की कटाई और हरित क्षेत्र के सिकुड़ने से भी प्राकृतिक संतुलन बिगड़ा। नदियों के किनारे पेड़ों की जड़ें पानी को रोकती और मिट्टी को बांधती थीं, लेकिन अब कटान तेज़ हो गया है। पंजाब में बाढ़ केवल प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक संकट भी है। हजारों एकड़ फसलें बर्बाद हो जाती हैं। किसान कर्ज़ में डूब जाते हैं। ग्रामीण आबादी बेघर हो जाती है और पलायन के लिए मजबूर होती है। सड़कों, पुलों और बिजली के ढांचे को भारी क्षति पहुँचती है। बीमारियों का प्रकोप फैलता है, खासकर डायरिया, मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियाँ। मानसिक आघात से समाज में असुरक्षा और हताशा की भावना पनपती है। वास्तव में प्रकृति का कोई भाव नहीं होता। वह केवल संतुलन चाहती है। जब हम उसकी मर्यादाओं का उल्लंघन करते हैं, तब वह चेतावनी के रूप में बाढ़, सूखा या आपदा के रूप में सामने आती है। इसलिए यह कहना कि प्रकृति नाराज़ है, सही नहीं है। सच तो यह है कि इंसान ने प्रकृति को नाराज़ करने लायक हालात पैदा कर दिए हैं। समाधान स्पष्ट हैं। नदियों के किनारे बाढ़ क्षेत्र को चिन्हित कर वहाँ निर्माण पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। पुराने नालों और ड्रेनों की नियमित सफाई व चौड़ाई बढ़ाई जानी चाहिए। अवैध खनन पर सख्ती से रोक लगनी चाहिए ताकि नदियाँ अपने प्राकृतिक स्वरूप में बह सकें। धान के स्थान पर मक्के, दालों और सब्जियों की खेती को बढ़ावा दिया जाए, जिससे पानी की खपत कम होगी और भूजल का स्तर सुधरेगा। राज्य और केंद्र सरकार को मिलकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए दीर्घकालिक योजना बनानी होगी। साथ ही स्थानीय लोगों को बाढ़ से बचाव और प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित करना भी आवश्यक है।

प्रसन्नता हमारा ऐसा अनमोल ख़ज़ाना है, जितना लुटाओगे उतना बढ़ता चला जाएगा

किशन भावनानी

सामाजिक प्रतिष्ठा और गुणों की सुगंध दूर तक जाती है एक अलग हसमुख व्यक्तित्व की हमारी छाया हमारे अपने परिचितों सहयोगियों पर पड़ती है। प्रसन्नता हमारा ऐसा अनमोल खजाना है, जिसे जितना लूटाएंगे उतना ही बढ़ता चला जाएगा! खिलखिलाते चेहरे और प्रसन्नता की आंखों की चमक मनीषियों को दुर्लभ पूंजी है, क्योंकि प्रसन्नता सुकून से जीने की कुंजी है। यह खजाना तब बढ़ता है जब हम दूसरों की खुशीयों में अपनी खुशी को समाहित करते हैं।

कुदरत द्वारा रचित इस अनमोल खूबसूरत सृष्टि में रचनाकर्ता ने मानवीय जीवन में अनेक गुण दोषों को शामिल कर संजोया है, इसका उपयोग करने सर्वश्रेष्ठ बुद्धिमता का भी सृजन कर दिया है ।बस! जरूरत है अब माननीय जीव को उसे गुण-दोष सुख-दुख खुशियां-गम प्रसन्नता-दुख इत्यादि का चुनाव कर अपने जीवन को सफल और असफल बनाएं उसके ऊपर है,क्योंकि मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि, प्रसन्नता और सुख दुख भी बौद्धिक क्षमता के आधार पर माननीय जीव को खुद चुनना होता है! इसलिए आज हम मन की प्रसन्नता पर उसके गुणों, प्रक्रिया सुजन करने के तरीकों पर इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम प्रसन्नता की करें तो खुलकर हंसना, मुस्कुराना, प्रसन्न रहना, मन की प्रसन्नता खुद सृजित की हुई दवा के समान है, क्योंकि इसमें सब दुख तो नष्ट होते हैं,जीव अपने कर्म में असफल नहीं होता। बुद्धि तुरंत स्थिर रहती है। सामाजिक प्रतिष्ठा और गुणों की सुगंध दूर तक जाती है एक अलग हस्मुख व्यक्तित्व की हमारी छाया हमारे अपने परिचितों सहयोगियों पर पड़ती है। प्रसन्नता हमारा ऐसा अनमोल खजाना है, जिसे जितना लूटाएंगे उतना ही बढ़ता चला जाएगा! खिलखिलाते चेहरे और प्रसन्नता की आंखों की चमक मनीषियों को दुर्लभ पूंजी है, क्योंकि प्रसन्नता सुकून से जीने की कुंजी है। यह खजाना तब बढ़ता है जब हम दूसरों की खुशीयों में अपनी खुशी को समाहित करते हैं। हमें छोटी-छोटी चीजों में प्रसन्नता, सुख ढूंढने की कोशिश करनी चाहिए, विश्वसनीय मन के भाव की खुशी का भाव अभूतपूर्व सफलता और दूरगामी सकारात्मक परिणाम होता है। आध्यात्मिकता, उदारता, परोपकार, सहनशीलता, सहिष्णुता इत्यादि मन की प्रसन्नता के प्रमुख स्त्रोतों में से कुछ हैं, जिनको जीवन में अपनाने की जरूरत को रेखांकित किया जा सकता है। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस, संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी विश्व प्रसन्नता इंडेक्स रिपोर्ट इत्यादि अन्तर्राष्ट्रीय स्तरपर प्रसन्नता के मूल्यों की करें तो प्रसन्नता को हाई वैश्विक टॉनिक माना जाता है। प्रसन्नता दिवस मनाया जाता है अलग-अलग देशों के प्रसन्नता से रहने के क्रमांक बताए जाते हैं, परंतु बहुत हैरानी की बात है प्रसन्नता इंडेक्स में अनेक पूर्ण विकसित देशों के साथ ही भारत भी पिछड़ा हुआ है जो रेखांकित करने वाली बात है! विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट में 146 देशों की रिपोर्ट के अनुसार फिनलैंड लगातार 5 वर्षों से प्रथम और डेनमार्क द्वितीय और आयरलैंड तृतीय स्थान पर है ।जबकि इस रिपोर्ट में भारत 136 वी रैंक पर है याने लास्ट टॉप टेन इतनी ख़राब हालात जो आश्चर्य वाली बात है।

साथियों बात अगर हम मन की प्रसन्नता के गुण एवं लाभों की करें तो, प्रसन्नता तो व्यक्ति का मानसिक गुण है, जिसे व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन के अभ्यास में लाना होता है। प्रसन्नता व्यक्ति के अंतर्मन में छिपे उदासी, तृष्णा और कुंठाजनित मनोविकारों को सदा के लिए समाप्त कर देती है। वस्तुत: प्रसन्नता चुंबकीय शक्ति संपन्न एक विशिष्ट गुण है। प्रसन्नता दैवी वरदान तो है ही, यह व्यक्ति के जीवन की साधना भी है। व्यक्ति प्रसन्न रहने के लिए एक खिलाड़ी की भांति अपनी जीवन-शैली और दृष्टिकोण को अपना लेता है। उसके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता-असफलता, जय-पराजय, और सुख-दुख उसके चिंतन का विषय नहीं होता। वह तो अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ता जाता है।प्रसन्नता मानवों में पाई जाने वाली भावनाओं में सबसे सकारात्मक भावना है। इसके होने के विभिन्न कारण हो सकते हैं- अपनी इच्छाओं की पूर्ति से संतुष्ट होना। अपने दिन-रात के जीवन की गतिविधियों को अपनी इच्छाओं के अनुकूल पाना। किसी अचानक लाभ से लाभांवित होना। किसी जटिल समस्या का समाधान प्राप्त होना।

साथियों बात अगर हम प्रसन्नता के लक्ष्यों की प्राप्ति की करें तो, प्रसन्न रहने वाला व्यक्ति परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लेता है। यदि वह असफल भी हो जाता है तो निराश होने और अपनी विफलता के लिए दूसरों को दोष देने की अपेक्षा अपनी चूक के लिए आत्मनिरीक्षण करना ही उचित समझता है।ज्ञानीजन और अनुभवी बताते हैं कि प्रसन्नता जैसे दैवीय-वरदान से कुतर्की और षड्यंत्रकारी लोग सदैव वंचित रह जाते हैं। प्रसन्न व्यक्ति स्वयं को प्रसन्न रखकर दूसरों को भी प्रसन्न रखने की अद्भुत सामर्थ्य रखता है। प्रसन्नता को प्रभु-प्रदत्त संपदा समझने वाले व्यक्ति ही सदैव सुखी रहते हुए यशस्वी, मनस्वी, महान और पराक्रमी बनकर समाज और राष्ट्र के लिए आदर्श स्थापित करने में सक्षम हो सकते हैं। प्रसन्नता ही सुखी जीवन का मूल मंत्र है। प्रसन्नता हमारा अनमोल खजाना है। प्रसन्नता को ज़रूर लुटाइए फ़िर देखिए, उसका खजाना बढ़ता चला जाएगा ।भलाई करना कर्त्तव्य नहीं, आनन्द है । क्योंकि वह प्रसन्नता को पोषित करता है । सबको प्रसन्न करने की शक्ति सब मंस नहीं होती ।प्रसन्नता आत्मा को शक्ति प्रदान करती है । प्रसन्नतापूर्वक उठाया गया बोझ हल्का महसूस होता है। प्रसन्नता शब्द का प्रयोग मानसिक या भावनात्मक अवस्थाओं के संदर्भ में किया जाता है, जिसमें संतोष से लेकर तीव्र आनंद तक की सकारात्मक या सुखद भावनाएं शामिल हैं। इसका उपयोग जीवन संतुष्टि, व्यक्तिपरक कल्याण, यूडिमोनिया, उत्कर्ष और कल्याण के संदर्भ में भी किया जाता है इसलिए हर व्यक्ति ने इस गुण को अपने में समाहित कर जीवन को सफल बनाने के मंत्र को अपनाना चाहिए।

चीन-भारत के मिठासभरे संबंधों से नयी विश्व संरचना संभव

ललित गर्ग

शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) शिखर बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच रविवार को हुई द्विपक्षीय बातचीत पर अगर दुनिया भर की नजरें टिकी थीं तो यह उद्देश्यपूर्ण एवं वजहपूर्ण थी, क्योंकि बदलती दुनिया में हाथी और ड्रैगन का साथ-साथ चलना जरूरी हो गया है। दोनों शीर्ष नेताओं की सौहार्दपूर्ण बातचीत ने न केवल दोनों देशों के रिश्तों में बढ़ते सामंजस्य की प्रक्रिया को मजबूती दी है बल्कि कई तरह की अनिश्चितताओं के बीच विश्व अर्थ-व्यवस्था के लिए भी नई संभावनाएं पैदा की हैं, चीन में दिखे दोनों देशों के मिठासभरे संबंध अनेक नई आशाओं एवं उम्मीदों को नया आकाश देने वाले बनते हुए प्रतीत हुए हैं। दोनों देशों के रिश्तों में लंबे समय बाद सकारात्मकता की नई हवा बहती दिखाई दे रही है। एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग की मुलाकात ने संकेत दिया है कि दोनों देश पुराने मतभेदों और अविश्वास को पीछे छोड़कर साझेदारी की नई इबारत लिखना चाहते हैं। यह मुलाकात केवल कूटनीतिक शिष्टाचार नहीं थी, बल्कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में सहयोग और संवाद की अपरिहार्यता को स्वीकार करने का प्रयास थी। भारत-चीन दोनों ही विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं और विशाल जनसंख्या वाले देश हैं। ऐसे में यदि दोनों साथ आते हैं तो न केवल आपसी विकास संभव है, बल्कि वैश्विक संतुलन और शांति की दिशा में भी बड़ा योगदान होगा। हालांकि सीमाई विवाद और विश्वास की कमी जैसे मुद्दे अब भी बने हुए हैं, परंतु यदि इन्हें परे रखकर साझा आर्थिक, सामरिक और सांस्कृतिक सहयोग को प्राथमिकता दी जाए तो यह संबंध नई ऊँचाइयों को छू सकते हैं। भारत और चीन के बीच यह संवाद केवल दो देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि अमेरिका और पश्चिमी देशों के दबदबे के बीच एशियाई शक्ति संतुलन को नई दिशा दे सकता है। यदि दोनों राष्ट्र व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाकर आपसी हितों पर ध्यान केंद्रित करें तो न केवल तनाव कम होंगे, बल्कि विश्व राजनीति में एशिया की भूमिका भी मजबूत होगी। निश्चित ही लंबे समय से चली आ रही आपसी अविश्वास की दीवारों और तनाव की बर्फ को पिघलाने का प्रयास हुआ है। सबसे पहले, इन वार्ताओं ने यह संकेत दिया है कि भारत और चीन अब केवल मतभेदों में उलझे रहने के बजाय साझेदारी की संभावनाओं पर ध्यान दे रहे हैं। व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग की दिशा में नए आयाम खुल सकते हैं। चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और यदि यह संबंध संतुलन और पारस्परिक विश्वास पर आधारित हो जाए, तो दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को अपार गति मिल सकती है। इस मुलाकात ने अमेरिका की दादागिरी पर भी चोट की है। डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक आर्थिक नीतियां और संरक्षणवादी रुख एशिया के उभरते राष्ट्रों को नई गठबंधन राजनीति की ओर धकेल रहा है। भारत-चीन के बीच बढ़ती समझदारी और रूस की भूमिका के साथ एक त्रिकोणीय शक्ति का उभार संभव है, जो पश्चिमी वर्चस्व को चुनौती देगा। यह न केवल शक्ति-संतुलन की नई धुरी बनेगा, बल्कि विश्व शांति और सौहार्द की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। पाकिस्तान पर भी इसका असर दिखना स्वाभाविक है। भारत-चीन की नजदीकी पाकिस्तान के लिए असुविधा का कारण बनेगी, क्योंकि उसकी विदेश नीति लंबे समय से चीन पर आश्रित रही है। भारत-चीन संबंधों का यह नया अध्याय यदि संतुलित, यथार्थवादी और सावधानीपूर्वक आगे बढ़ाया जाए तो एशिया ही नहीं, पूरे विश्व की राजनीति में एक स्थिरता और संतुलन स्थापित हो सकता है। यह विश्व को बहुध्रुवीय बनाने की दिशा में ठोस कदम होगा। लेकिन, इन सकारात्मक संकेतों के बावजूद भारत को सावधानी बरतनी होगी।

चिंतन-मनन

राष्ट्रीय एकता में बाधक तत्व

आर्थिक और सामाजिक असमानता राष्ट्रीय एकता में बहुत बड़ी बाधा है। उस असमानता का मूल है अहं और स्वार्थ। इसलिए राष्ट्र की भावात्मक एकता के लिए अहं-विसर्जन और स्वार्थ-विसर्जन को मैं बहुत महत्व देता हूं। जातीय असमानता भी राष्ट्रीय एकता का बहुत बड़ा विघ्न है। उसका भी मूल कारण अहं ही है। दूसरों से अपने को बड़ा मानने में अहं पुष्ट होता है और आदमी अपने-आप में संतोष का अनुभव करता है। अहं का विसर्जन किए बिना जातीय भेद का अंत नहीं हो सकता। मनुष्य जन्मना मनुष्य का शत्रु नहीं है। एक पेड़ की दो शाखाएं परस्पर विरोधी कैसे हो सकती हैं? फिर भी यह कहा जाता है कि धर्म-संप्रदाय मनुष्यों में मैत्री स्थापित करने के लिए प्रचलित हुए हैं। उनमें जन्मना शत्रुता नहीं है, फिर मैत्री स्थापित करने की क्या आवश्यकता हुई? मैं फिर इस विश्वास को दोहराना चाहता हूं कि मनुष्य-मनुष्य में स्वभावत: शत्रुता नहीं है। वह निहित स्वार्थ वाले लोगों द्वारा उत्पन्न की जाती है। उसे मिटाने का काम धर्म-संप्रदाय ने प्रारंभ किया, किंतु आगे चलकर वे स्वयं निहित स्वार्थ वाले लोगों से घिर गए और मनुष्य को मनुष्य का शत्रु मानने के सिद्धांत की पुष्टि में लग गए। इस चिंतन के आधार पर मुझे लगता है कि सांप्रदायिक समस्या का मूल भी अहं और स्वार्थ को छोड़कर अन्यत्र नहीं खोजा जा सकता। इसलिए सांप्रदायिक वैमनस्य की समस्या को सुलझाने के लिए भी अहं और स्वार्थ का विसर्जन बहुत आवश्यक है। भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, को भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है। अपनी भाषा के प्रति आकषर्ण होना अस्वाभाविक नहीं है। पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकषर्ण होता है, उतना ही दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है। राष्ट्रीय एकता के लिए इन विषयों पर गंभीर चिंतन करना आवश्यक है।

खास बात

गरीबों का अधिकार क्यों छीना?

स्वतंत्रता के पश्चात जब से भारतीय संविधान लागू हुआ है हर गरीब गुरवे को वोट देने का अधिकार मिला हुआ है। उस अधिकार को वह अपनी सबसे बड़ी संपत्ति मानता है बिहार में जिस तरह से मतदाताओं के अधिकार को छीनने की कोशिश की गई। उसने गरीबों को उधेलित कर दिया है। यदि यह अधिकार छिन गया उसके बाद उन्हें गुलामो की तरह रहना पड़ेगा जिसके कारण वह वोट यात्रा में बढ़ चढ़कर भाग ले रही है सरकार और चुनाव आयोग में कभी सोचा नहीं था कि यह दांव इतना उल्टा पड़ेगा।

ट्रंप से कट्टी, शी जिनपिंग से मोदी की दोस्ती

भारत इन दिनों विश्व के सभी देशों में चर्चा का विषय बना हुआ है ।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के ऊपर 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया ।भारतीयों को हथकड़ी और बेडी में अमेरिका से भारत वापस भेज दिया। ट्रंप ने मोदी के साथ दोस्ती तोड़ी, तो मोदी जी ने चीन के शी जिनपिंग के साथ दोस्ती कर डोनाल्ड ट्रंप को अंगूठा दिखा दिया है। डोनाल्ड ट्रंप समझ रहे थे, मोदी जी को कोई दोस्त नहीं मिलेगा। मोदी जी ने ट्रम्प को बता दिया, उनके पास दोस्तों की कमी नहीं है। यह अलग बात है, चीन की दोस्ती किन शर्तों पर और कितने समय चलेगी। यह कहना मुश्किल है।

कोठी का पता बताओ, 21 लाख इनाम पाओ

दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज के यहां ईडी ने छापा डाला था। उनके घर पर ईडी को कुछ नहीं मिला। इसके बाद सौरभ भारद्वाज सड़कों पर उतर गए हैं। भाजपा के नेताओं ने उन पर आरोप लगाया था, उनकी ग्रेटर कैलाश में कोठी है। वह पर्चे बांटकर लोगों से कह रहे हैं ।कोठी का पता बताओ, 21लाख रुपए का इनाम पाओ। सौरभ भारद्वाज ने ईडी और भाजपा नेताओं के खिलाफ आर पार की लड़ाई लड़ने सड़कों पर उतर गए हैं। उनके खुले चैलेंज पर भाजपा के जिन नेताओं ने आरोप लगाए थे। वह चुप्पी साधकर बैठ गए हैं।

ट्रंप और शी जिनपिंग मोती के साथ खेल खेल रहे हैं

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों एक ऐसे चक्रव्यूह में फंस गए हैं। उसे निकालना उनके लिए मुश्किल होता जा रहा है। चीन पाकिस्तान के साथ खड़ा है। अमेरिका ने पाकिस्तान को अपनी गोद में बैठा लिया है। पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष मुनीर को बुलाकर व्हाइट हाउस में लंच करा दिया। चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा अपार है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान की मदद की थी। चीन और अमेरिका मिलकर भारत के साथ खेल खेल रहे हैं। मोदी जी इस चक्रव्यूह से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। कहावत है, दबा बनिया दे उधार। मोदी जी अब ऐसी स्थिति में हैं। वह ना इधर बोल पा रहे हैं ना उधर बोल पा रहे हैं। नियति मानकर सहना ही मजबूरी है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, भादपद शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, एकादशी, बुधवासरे, पू.षा. नक्षत्रे, आद्र योगे, वलकरणे, धनु की चंद्रमा, भद्रा 18/11, उ. 49/12 पार्श्व परिवर्तनी, एकादशी व्रत, सर्वरवियोग 39/32 पूर्व दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल-चंचल, चतुर, स्वाभिमानी, जिद्दी-हठी, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपल, पार्टी संगठक, राजनेता, इंजीनियर, पंडित, विद्वान, संत-महात्मा, योगी-भोगी, मठ-मंदिर बनाने वाला, मठाधीश होवगा।

मेष राशि- दैनिक व्यवसाय गति में सुधार होगा, योजनाऐं फलीभूत होगीं, रुके कार्य बनेंगे।

वृष राशि- दैनिक क्षमता में वृद्धि, प्रबलता एवं प्रभुत्व वृद्धि के योग अवश्य बनेंगे, आप ध्यान रखें।

मिथुन राशि- आर्थिक योजना पूर्ण हो, कार्य क्षमता में वृद्धि के योग बनें, इष्ट मित्र सुख वर्धक होंगे।

कर्क राशि- कार्य व्यवसाय अनुकूल रहेंगे। चिंताऐं कम होंगी तथा इष्ट मित्र सुध वर्धक होंगे।

सिंह राशि- धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष होवे, कार्य वृत्ति में सुधार होगा ध्यान रखें।

कन्या राशि- कुछ समस्या सुलझेगीं-कुछ पैदा होंगी, समय अनुकूल नहीं सोच-विचार कर कार्य करें।

तुला राशि- कार्य व्यवसाय क्षमता कुछ अनुकूल हो, आशाओं में कुछ सफलता किन्तु तनाव बनेगा।

वृश्चिक राशि- धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, कुटुम्ब की समस्या अवश्य सुलझेगी।

धनु राशि- प्रत्येक कार्य में विलम्ब सम्भव, धन लाभ आशानुकूल, सफलता का हर्ष होगा।

मकर राशि- आरोप व क्लेश सम्भव, धन का व्यय होगा, किन्तु विशेष सफलता से खुशी होगी।

कुंभ राशि- सफलता के साधन जुटायें तथा समय सुख से बीतेगा, रुके कार्य बनेंगे। ध्यान दें।

मीन राशि- किसी तनाव-क्लेश से बचिये, अशांति तथा असमंजस पैदा होगा। कष्ट होगा।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

3 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.45 बजे से
चंद्र	धनु में	तुला	08.56 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.11 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.27 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.32 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.18 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.51 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.21 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.02 बजे से
राहुकाल		मिथुन	00.00 बजे से
12.00 से 1.30 बजे तक		कर्क	02.13 बजे से
		सिंह	04.29 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 246 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल **तिथि** एकादशी 04.22 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा 23.09 बजे को समाप्त। **योग** आयुष्मान 16.17 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 16.13 बजे तदनन्तर विष्टि 04.22 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 10.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 07° 32' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872456 **जूलियन दिन** 2460921.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 10 **विशेष** पार्श्व एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

इस प्रकार करें ब्यूटी प्रोडक्ट का बेहतर इस्तेमाल

खूबसूरती निखारने आप घरेलु नुस्खे भी आजमा सकती हैं। हमेशा महंगे उत्पाद खरीदने की जरुरत नहीं है। मस्कारा व आईलाइनर सूख जाए या फिर खत्म होने की स्थिति में हो तो उसे हल्के गर्म पानी में रखें या कॉन्टेक्ट लेंस सॉल्यूशन की कुछ बूंदे डालकर उनको आप एक बार फिर इस्तेमाल कर सकती हैं। मेकअप हटाने के लिए रिमूवर व क्लीजिंग मिल्क की जगह नारियल तेल , बेबी ऑयल या फिर दूध का उपयोग किया जा सकता है। फाउंडेशन वाला स्पंज अगर खराब हो गया है तो ब्रश से भी फाउंडेशन लगा सकती हैं। ब्रश से उसे फैलाएं, फिर टिश्यू पेपर को हल्का गीला करके उसको एक सार करें।

डार्क शेड के फाउंडेशन को अपनी स्किन टोन से मिलाने के लिए फाउंडेशन और मॉइश्चराइजर के साथ इसे मिलाएं।

लिप बाम बनाने के लिए बची हुए लिपस्टिक किसी स्टिक से निकाल लें फिर उसे माइक्रोवेव में मेल्ट कर लें। फिर उसे एक बाउल में निकाल लें। फिर इसे लिप बाम की तरह इस्तेमाल करें।

स्क्रब खत्म हो जाए तो नया स्क्रब खरीदने की जगह ब्राउन शुगर और शहद को आपस में मिला कर स्क्रब बनाएं। गालों की ललिमा को बनाए रखने के लिए ब्लशऑन की जगह पिंक लिपस्टिक का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।अगर बॉक्स में ड्राई आईशैडो टूट गया है तो इसे जोडने़ के लिए उसमें एल्कोहल की कुछ बूंदें डालकर मिलाएं और उसी डिब्बी में जमा कर रखें।टूटे कॉम्पेक्ट को एक डिब्बी में एक साथ रख लें। फिर उसे इस्तेमाल करें।टूटी हुई लिपस्टिक को जोडने़ के लिए उसे थोड़ा गर्म करे या फिर हेयर ड्रायर चला कर टूटे हिस्सों को जोड़ दें।

आभूषण के संदेश को भी समझें

आभूषण नारी को हमेशा प्रिय रहे हैं। इससे नारी का सौंदर्य कई गुना बढ़ जाता है। आभूषण सुंदरता बढ़ाने के साथ ही उसे स्वस्थ भी रखते हैं। हर आभूषण् के अंदर एक गुण सन्देश छिपा है। सभी महिलाओं को चाहिये की आभूषण धारण करने के साथ ही आभूषण के अन्तर्गत निहीत अर्थ संन्देश को भी हृदयगम करे, ताकी उस आभूषण नाम सार्थक हो सके

काजल - शील का जल आंखों में रखें

नथ - मन को नियन्त्रित रखें, जिससे नाक ऊंची रहे

टीका - बुराई छोड़ दे

बिंदी - ध्यान रखें यश का ही टीका लगे

वंदनी - पति एवं गुरूजनों की वन्दना करें

कर्ण फूल - कानों से दूसरों की प्रशंसा सुनें

कण्ठहार - पति के कण्ठ का हार बनें

कड़े -किसी से कड़ी बात न बोलें

छल्ले - किसी से छल न करें

करधनी या कमरबंद - सत्कर्मो के लिए हमेशा कमर बाँधकर तैयार रहें

पायल - सभी बड़ी बूढ़ी औरतों के पाँव (चरण) स्पर्श करें

मेंहदी - लाज की लाली बनायें रखें

मुंहासों से इस प्रकार मिलेगी राहत

मुंहासे की समस्या आम है पर इससे संदरता प्रभावित होती है। ऐसे में युवतियां इन्हें ठीक करने कोई भी घरेलू प्रयोग करने लगती हैं जो कई बार इन्हें ठीक करने की जगह और भी बढ़ा देता है। नीबू आदि लगाने से यह बढ़ भी सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि मुंहासा प्रभावित हिस्से को हाथ भी नहीं चाहिए। कई बार आंतरिक असंतुलन खासकर हार्मोन की वजह से मुंहासे निकलते हैं। आंतरिक समस्या से मुंहासे होने पर रक्त की जांच व अल्ट्रासाउंड से पता चल जाता है। मुंहासों से बचने के लिए संतुलित व स्वास्थ्यपरक आहार जैसे फलों, सब्जियों का सेवन करें। अपनी त्वचा को नियमित रूप से मॉइश्चराइज करें, जिससे त्वचा में नमी बनी रहे।

बैक्टीरिया को दूर रखने के लिए चेहरे पर कुछ क्रीम आदि लगाते समय अपने हाथ जरूर धो लें। प्रभावित हिस्से को लगातार हाथ लगाने से बैक्टीरिया के फैलने की संभावना होती है, जिससे और मुंहासे निकल सकते हैं।

टी (चाय) ट्री तेल जीवाणु रोधी और एंटी फंगल होता है और यह तैलीय त्वचा के लिए उपयुक्त होता है। मुंहासों से बचने के लिए इस तेल का इस्तेमाल किया जा सकता है।

कई लोगों का मानना होता है कि मुंहासे त्वचा के अधिक तैलीय होने के कारण निकलते हैं और ऐसे में वे कठोर साबुन या स्क्रब का इस्तेमाल करना शुरू कर देते हैं जो नुकसानदेह हो सकता है क्योंकि ज्यादा ड्राई स्किन मुंहासों को और बढ़ा सकती है।

स्क्रब से मुंहासों में सूजन व लालिमापन आने की संभावन बढ़ जाती है और चेहरे में जलन महसूस हो सकती है।

मुंहासों के उपचार में तीन से लेकर छह महीने तक का समय लग सकता है। ऐसे में संयम बनायें रखें। तत्काल उपाय के प्रयास में और भी घाटा हो सकता है।

चेहरे को रोजाना दो–तीन बार धोएं, अगर त्वचा में पर्याप्त मात्रा में मॉइश्चराइजर है तो फिर यह अपना ऑयल बाहर नहीं निकालता है, ऐसे में मुंहासे होने की संभावना नहीं होती है।

बाहरी नहीं प्राकृतिक सुंदरता है जरुरी

युवतियां अपनी बाहरी सुंदरता को लेकर बेहद सजग रही हैं जो ठीक भी है पर इसके साथ ही प्राकृतिक सुंदरता पर भी ध्यान दें। हैं। बाहरी त्वचा को सुंदर बनाने के फेर में हम प्राकृतिक सुंदरता का अहसास नहीं कर सकते। अगर आप सचमुच उस प्राकृतिक सुंदरता को पाना चाहती हैं तो अपने अंदर की असली सुंदरता को पहचानें। अपनी जिंदगी में सभी चीजों के बीच संतुलन कायम करने का सफल प्रयास करें। इससे न केवल आप खुश रहेंगे बल्कि आप स्वस्थ भी महसूस करेंगे। इससे आपके अंदर की असली सुंदरता स्वयं निखरकर बाहर आ जाएगी और आप पहले से कहीं ज्यादा सुंदर दिखाई देंगी। इसे ऐसे हासिल करें।

तुलना न करें

जहां बात आती है अपने सुंदर दिखने की तो हम अक्सर दूसरे लोगों से अपनी तुलना करने लग जाते हैं जबकि यह सही नहीं है। अपनी सुंदरता को लेकर दूसरों से अपेक्षा पर निर्भर रहने की बजाय स्वयं उस आंतरिक सुंदरता का दिदार करें। आपकी सुंदरता को निहारने का सबसे पहला अधिकार आपका ही है। इसलिए अपने अंदर की सुंदरता को पहचानें और उससे प्यार करें। आपका खुद के साथ संतुष्ट होना बहुत आवश्यक है क्योंकि इससे आप स्वयं का बहुत ज्यादा ध्यान रखना शुरू कर देंगी।

इसके अलावा खुद को पसंद करना एक महिला के लिए इसलिए भी जरूरी है क्योंकि इसके माध्यम से वह अपने अंदर छुपी एक ऐसी नारी की पहचान कर लेती है जो पुरूषों को आकर्षित करने का प्रयास नहीं करती, बल्कि असली वास्तविकता से जुड़ी है। यह बिल्कुल मायने नहीं रखता कि कोई पुरूष आपको पसंद करे या न करें। स्वयं के अंदर असली रूप में मौजूद सुंदरता से प्यार करें क्योंकि इससे होने वाली अंदरूनी खुशी के कारण बाहरी सुंदरता भी अपने आप खिल उठती है।

नारीत्व गुण कायम रखें

अक्सर पुरूष उन्हीं महिलाओं को ज्यादा देखना पसंद करते हैं जो नारीत्व गुण से जुड़ी हुई हैं। जिस नारी के अंदर नारीत्व गुण बना हुआ है, वह आज भी बहुत ज्यादा सुंदर दिखाई देती है। क्योंकि नारीत्व गुण खत्म नहीं हुआ है, यह आज भी मौजूद है। माना कि इसमें त्याग है, सहनशीलता है लेकिन यह बहुत ज्यादा मजबूत है। सबसे ज्यादा आकर्षित होता है एक औरत का उत्साह जिसके बल पर वह अपने को मजबूत महसूस करती है। आप जितना ज्यादा अपनी नारी शक्ति का समर्थन करती है यह उतनी ही ज्यादा आपको मजबूती प्रदान करती है।

खतरनाक साबित हो सकता है जोड़ों का दर्द

अक्सर लोगों को कमर में अकड़न, पीठ और जोड़ों में दर्द की शिकायत रहती है और वे इसे नजरअंदाज कर देते हैं पर ऐसा करना आपकी सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। अगर जोड़ों के दर्द के कारण आपकी रात में तीन-चार बजे आपकी नींद खुल जाती है और आप असहज महसूस करते हैं, तो डॉक्टर से सलाह लीजिए क्योंकि आपको स्पांडिलाइटिस की शिकायत हो सकती है।

स्पांडिलाइटिस से हृदय, फेफड़े और आंत समेत शरीर के कई अंग प्रभावित हो सकते हैं।

स्पांडिलाइटिस को नजरंदाज करने से गंभीर रोगों का खतरा पैदा हो सकता है। इससे बड़ी आंत में सूजन यानी कोलाइटिस हो सकता है और आंखों में संक्रमण हो सकता है।

स्पांडिलाइटिस एक प्रकार का गठिया रोग है। इसमें कमर से दर्द शुरू होता है और पीठ और गर्दन में अकड़न के अलावा शरीर के निचले हिस्से जांघ, घुटना व टखनों में दर्द होता है। रीढ़ की हड्डी में अकड़न बनी रही है। स्पांडिलाइटिस में जोड़ों में इन्फ्लेमेशन यानी सूजन और जलन के कारण तेज दर्द होता है।

वहीं नौजवानों में स्पांडिलाइटिस की शिकायत ज्यादा होती है। आमतौर पर 45 से कम उम्र के पुरुषों और महिलाओं में स्पांडिलाइटिस की शिकायत रहती है।

एंकिलोसिंग स्पांडिलाइटिस गठिया का एक सामान्य प्रकार है जिसमें रीढ़ की हड्डी प्रभावित होती है और कशेरूक में गंभीर पीड़ा होती है जिससे बेचैनी महसूस होती है। इसमें कंधों, कुल्हों, पसलियों, एड़ियों और हाथों व पैरों के जोड़ों में दर्द होता है। इससे आखें, फेफड़े, और हृदय भी प्रभावित होते हैं।

बच्चों में जुवेनाइल स्पांडिलोअर्थ्राइटिस होता है जोकि 16 साल से कम उम्र के बच्चों में पाया जाता है और यह वयस्क होने तक तकलीफ देता है। इसमें शरीर के निचले हिस्से के जोड़ों में दर्द व सूजन की शिकायत रहती है। जांघ, कुल्हे, घुटना और टखनों में दर्द होता है। इससे रीढ़, आंखें, त्वचा और आंत को भी खतरा पैदा होता है। थकान और आलस्य का अनुभव होता है।

स्पांडिलाइटिस मुख्य रूप से जेनेटिक म्युटेशन के कारण होता है। एचएलए-बी जीन शरीर के प्रतिरोधी तंत्र को वाइरस और बैक्टीरिया के हमले की पहचान करने में मदद करता है लेकिन जब जीन खास म्युटेशन में होता है तो उसका स्वस्थ प्रोटीन संभावित खतरों की पहचान नहीं कर पाता है और यह प्रतिरोधी क्षमता शरीर की हड्डियों और जोड़ों को निशाना बनाता है, जो स्पांडिलाटिस का कारण होता है हालांकि अब तक इसके सही कारणों का पता नहीं चल पाया है.

संक्षिप्त समाचार

फिजियो से बोले रोहित, आओ तुम्हें घर छोड़ दूं

मुम्बई। भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद मुंबई लौट आये हैं। इससे अब रोहित के अगले माह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में खेलने को लेकर जतायी जा रही सभी आशंकाएं दूर हो गयी हैं। रोहित के मुम्बई एयरपोर्ट पर पहुंचने ही प्रशंसक उनके स्वागत के लिए उमड़ पड़े। इसका एक वीडियो भी आया है। इसमें रोहित टीम के फीजियो अमित दुबे से मजाकिया अंदाज में कहते है आओ तुमको घर छोड़ दूं। इस वीडियो को जमकर लाइक किया गया है। शल मीडिया पर फैंस का ध्यान खींच रहा है। रोहित के साथ ही तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने भी बेंगलुरु में अपना-अपना फिटनेस टेस्ट दिया है। 38 साल के रोहित शर्मा टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं।

बाढ़ प्रभावित पंजाब के हालात देखकर दुखी हुए शुभमन

चंडीगढ़। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल पंजाब में आई भीषण बाढ़ से हुई हानि को देखकर बेहद दुखी हैं। पंजाब में आई बाढ़ से तकरीबन तीन लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। शुभमन का मानना है कि पंजाब इस प्राकृतिक आपदा का मजबूती के साथ मुकाबला करेगा और लोग भी इससे उबर जाएंगे। शुभमन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, बाढ़ से तबाह हुए अपने पंजाब को देखकर बेहद दुख हुआ है। पंजाब हर मुसीबत से ज्यादा मजबूत है। हम इससे उबरकर फिर खड़े होंगे। मेरी प्रार्थनाएं सभी प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मैं अपने लोगों के साथ मजबूती से खड़ा हूं।

अफगानिस्तान टीम ने भूकंप पीड़ितों को दान की मैच फीस

शारजाह। यहां अभी त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज खेल रही अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने अपने देश में आये भूकंप पर दुख जताते हुए पीड़ितों के लिए मैच फीस की पूरी राशि ही दान कर दी है। इन खिलाड़ियों ने भूकंप पीड़ितों के लिए दुआएं भी की हैं। खिलाड़ियों ने कहा है कि वे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ मिली मिली मैच फीस की राशि दान कर देंगे। पूरी मैच फीस के साथ ही खिलाड़ियों ने निजी तौर पर भी सहायता राशि दी है। अफगानिस्तान और यूएई के खिलाड़ियों ने मैच से पहले जान गंवाने वाले लोगों की याद में कुछ देर के लिए मौन भी रखा।

पहली बार किसी राष्ट्रीय रैंकिंग टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा दिल्ली

13 साल बाद दिल्ली में होगी राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप स्पर्धा

12 स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे खिलाड़ी

दिल्ली राज्य टेबल टेनिस संघ (डीएसटीटीए) 2008 के बाद पहली बार किसी राष्ट्रीय रैंकिंग टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है, हालांकि भारतीय टेबल टेनिस महासंघ ने हरियाणा के सहयोग से 2012 में राष्ट्रीय राजधानी में एक टूर्नामेंट का आयोजन किया था। खिलाड़ी सीनियर, अंडर-19, अंडर-17, अंडर-15, अंडर-13 और अंडर-11 श्रेणियों सहित 12 स्पर्धाओं में भाग लेंगे। पुरुष वर्ग में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में कई पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन जैसे साथियान, हरमीत, एंथनी अमलराज और सौम्यजीत घोष शामिल हैं। घोष 2012 में लंदन ओलंपिक में भाग लेने के बाद व्यक्तिगत कारणों से राष्ट्रीय टीम की तरफ से नहीं खेल पाए थे।

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दिल्ली राज्य टेबल टेनिस संघ (डीएसटीटीए) 2008 के बाद पहली बार किसी राष्ट्रीय रैंकिंग टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है, हालांकि भारतीय टेबल टेनिस महासंघ ने हरियाणा के सहयोग से 2012 में राष्ट्रीय राजधानी में एक टूर्नामेंट का आयोजन किया था। देश की राजधानी दिल्ली में 13 साल बाद राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन दीया चितले और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता जी साथियान और हरमीत देसाई सहित कई शीर्ष भारतीय खिलाड़ी सात सितंबर से शुरू हो रहे यूटीटी राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे।

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने से ओलंपिक की भरपाई कर दी

भारत की इस जोड़ी का पहली बार विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने का सपना सेमीफाइनल में चीन की 11वीं वरीयता प्राप्त चेन बो यांग और लियू यी की जोड़ी से हार के साथ टूट गया। भारतीय पुरुष युगल बैडमिंटन टीम के सदस्य चिराग शेट्टी ने कहा कि हाल में पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने से एक साल पहले इसी शहर में ओलंपिक खेलों में पोडियम तक नहीं पहुंच पाने की काफी हद तक भरपाई कर दी। चिराग और लंबे समय से उनके साथी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने पिछले सप्ताह विश्व चैंपियनशिप में पुरुष युगल का कांस्य पदक जीता। दुनिया की नौवें नंबर की इस जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता आरोन चिया और सोह वूई यिक को हराकर विश्व चैंपियनशिप में अपना दूसरा पदक हासिल किया।

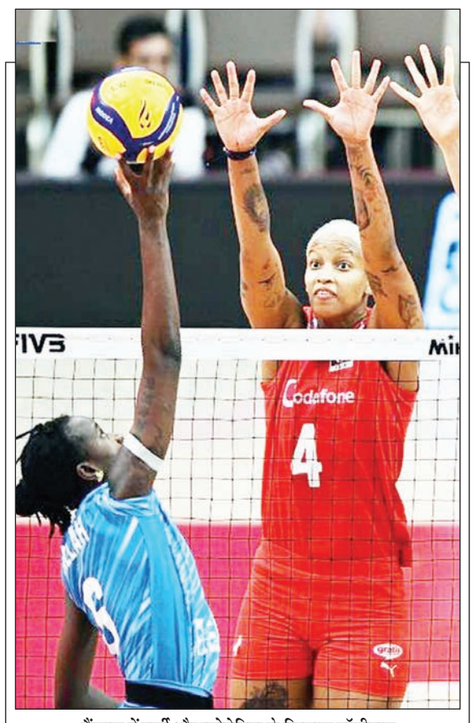

बैंकाक में तुर्की और स्लोवेनिया के खिलाफ वॉलीबाल मैच में खेलती हुई खिलाड़ी।

पाँचवें शांति-गया स्मृति सम्मान घोषित

साहित्य, कला और खेल जगत से जुड़ी उत्कृष्ट प्रतिभाओं का होगा सम्मान

भोपाल ■ निप्र

साहित्य, कला और खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले रचनाकारों और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए, शांति-गया स्मृति साहित्य, कला एवं खेल संवर्द्धन समिति ने अपने पाँचवें शांति-गया स्मृति सम्मान की घोषणा की है। यह सम्मान केवल एक पुरस्कार नहीं है, बल्कि यह उन प्रतिभाओं के मनोबल को बढ़ाने और उनकी उपलब्धियों को समाज के सामने लाने का एक प्रयास है। इस वर्ष बड़ी संख्या में प्राप्त प्रविष्टियों ने यह साबित कर दिया है कि इन तीनों क्षेत्रों में आज भी नई ऊर्जा और रचनात्मकता भरी हुई है। गहन मूल्यांकन के बाद, समिति ने चयनित नामों की घोषणा की है।

इस सम्मान से सम्मानित होने वाले कलाकार और साहित्यकार जिन्हें आगामी घोषित तिथि में राजधानी भोपाल में आयोजित एक गरिमापूर्ण भव्य कार्यक्रम सम्मानित किया जाएगा।

उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय साहित्य सेवा हेतु शांति-गया स्मृति शिखर सम्मान- प्रख्यात साहित्यकार डॉ. अखिलेश पलारिया (राजस्थान)।

नैली राजेश सिंह स्मृति कहानी सम्मान: सुषमा मुनींद्र। अजय सिंह राणा (विशेष सम्मान)।

नैली राजेश सिंह स्मृति कविता सम्मान: आशीष दशोत्तर (रतलाम)।

अनूप श्रीवास्तव स्मृति व्यंग्य सम्मान: प्रभाशंकर उपाध्याय व अजय अनुरागी सुनील सक्सेना (विशेष सम्मान)।

शिवांश शर्मा और अशांक मिश्रा 69वीं सरताज लीग बैडमिंटन के युगल फाइनल में

अशांक-अक्षत सिन्हा ने तीन वर्गों के फाइनल में बनाई जगह

इंदौर ■ निसं

सरताज अकादमी द्वारा आयोजित 69वीं सरताज लीग बैडमिंटन स्पर्धा के युगल फाइनल में शिवांश शर्मा और अशांक मिश्रा ने अपनी जगह पक्की कर ली है। खिताबी मुकाबले में उनका सामना वैभव लाहोरिया और अक्षत सिन्हा की जोड़ी से होगा। इस टूर्नामेंट में अशांक मिश्रा और अक्षत सिन्हा ने तीन अलग-अलग वर्गों के फाइनल में पहुंचकर शानदार प्रदर्शन किया है।

नारायण बाग बाल विकास केंद्र बैडमिंटन हॉल में चल रही इस स्पर्धा में शिवांश और अशांक की जोड़ी ने लीग मुकाबले में अब्दुल कादिर उज्जैनवाला और अर्णव शाह को 17-15, 15-9 से हराया। वहीं, वैभव लाहोरिया और अक्षत सिन्हा ने शिवांश सुनेरे और आदित्य तिलवरकर को 10-15, 15-8, 15-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वैभव और अक्षत ने लीग के सभी 5 मैच जीते हैं।

=एकल फाइनल के दावेदार=

एकल मुकाबलों में, अशांक मिश्रा 13 और 15 वर्ष के बालक वर्ग के फाइनल में हैं, जबकि अक्षत सिन्हा 15 और 17 वर्ष के बालक एकल फाइनल में पहुंचे हैं। वैभव लाहोरिया (17 वर्ष), शिवांश शर्मा (13 वर्ष) और अथर्व चौधरी-अद्वित शाह (11 वर्ष) भी बालक एकल के खिताबी मुकाबले में हिस्सा लेंगे। बालिका वर्ग के फाइनल में नायशा पुरोहित और हेतल पाटिल आमने-सामने होंगी। 15 वर्ष बालक एकल में तीसरे स्थान के लिए अब्दुल कादिर उज्जैनवाला और आदित्य तिलवरकर के बीच मुकाबला होगा।

स्पर्धा सचिव धर्मेश यशलहा ने बताया कि सभी मुकाबले योनेक्स फेदर शटलकॉक से खेले जा रहे हैं।

व्यापार समाचार

चीन के साथ रिश्तों पर बोले गोयल

भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत जारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है। साथ ही उन्होंने बताया कि भारत और चीन संबंध धीरे-धीरे सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रहे हैं, जैसे-जैसे सीमा मुद्दे सुलझते जाएंगे, तनाव कम होना स्वाभाविक परिणाम होगा।

भारत अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है। वाणिज्य उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को यह जानकारी दी। साथ ही गोयल ने बताया कि भारत और चीन संबंध धीरे-धीरे सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रहे हैं।

दो महान देश की समस्या का समाधान निकाल लेंगे- गोयल: गोयल ने उद्योग मंडल के एक सतत विकास संबंधी कार्यक्रम में कहा कि बहुत कुछ हुआ है, अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। अमेरिका के साथ हम बीटीए पर संवाद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारत पहले ही ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात, मॉरीशस, ब्रिटेन और चार यूरोपीय देशों के समूह ईएफटीए के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर कर चुका है।

उन्होंने दावा किया कि मुझे लगता है कि दो महान देश (भारत और अमेरिका) इस समस्या का समाधान निकाल लेंगे। लेकिन रूसी तेल खरीदने और फिर उसे बेचने, व यूक्रेन में रूसी युद्ध प्रयासों को वित्तपोषित करने के मामले में भारत कोई बड़ी भूमिका नहीं निभा रहा है।

सीमा मुद्दा सुलझने पर भारत-चीन में तनाव होगा कम: भारत-चीन संबंधों पर बोलते हुए गोयल ने कहा कि जैसे-जैसे सीमा मुद्दे सुलझते जाएंगे, तनाव कम होना स्वाभाविक परिणाम होगा। गोयल से जब पूछा गया कि क्या भारत और चीन अपने संबंधों को फिर से स्थापित कर रहे हैं, तो क्या पीएन3 में ढील की गुंजाइश है? इस पर उन्होंने कहा कि यह एक एससीओ शिखर सम्मेलन था, जिसमें सभी एससीओ सदस्यों ने भाग लिया। गलवान में हमारे बीच एक समस्या थी, जिसके कारण हमारे संबंधों में थोड़ी गिरावट आई थी। जैसे ही सीमा का समाधान हो जाता है, मुझे लगता है कि स्थिति का सामान्य होना एक बहुत ही स्वाभाविक परिणाम है।

भारत और अमेरिका के बीच हो चुकी है पांच दौर की वार्ता

भारत और अमेरिका मार्च से इस समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। अब तक पांच दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है। 27 अगस्त से 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद, अमेरिकी टीम ने अगले दौर की वार्ता के लिए भारत की अपनी यात्रा स्थगित कर दी है। यह पहले 25 अगस्त से होने वाली थी। अभी तक छठे दौर की वार्ता के लिए कोई नई तारीख तय नहीं की गई है।

पीएन3 का महत्व: वर्तमान में, चीन जैसे भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के लिए सभी क्षेत्रों में सरकारी अनुमोदन लेना अनिवार्य है। यह नीति अप्रैल 2020 में प्रेस नोट 3 (पीएन3) के रूप में जारी की गई थी।

डिजाइन से जुड़ी छूट का होगा विस्तार, बोले आईटी सचिव

सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को जारी रहेगी सरकारी मदद

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम में बोलते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी सचिव एस कृष्णन ने कहा कि सरकार बड़ी घरेलू कंपनियों को समर्थन देने के लिए डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव (डीएलआई) के तहत लाभों का विस्तार करने के साथ-साथ इसके तहत प्रदान किए जाने वाले अनुदान को बढ़ाने पर विचार कर रही है। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

देश में चल रही महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर उत्पादन परियोजनाओं को केंद्र और राज्यों से प्रोत्साहन के रूप में परियोजना की कुल लागत का 70 प्रतिशत तक मिलना जारी रह सकता है। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह दावा किया।

सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम में बोलते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी सचिव एस कृष्णन ने कहा कि सरकार बड़ी घरेलू कंपनियों को समर्थन देने के लिए डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव (डीएलआई) के तहत लाभों का विस्तार करने के साथ-साथ इसके तहत प्रदान किए जाने वाले अनुदान को बढ़ाने पर विचार कर रही है।

कृष्णन ने कहा कि भारत द्वारा सेमीकंडक्टर परियोजनाओं के लिए दिया जा रहा समर्थन अभूतपूर्व है और लगभग 30 अरब अमेरिकी डॉलर का

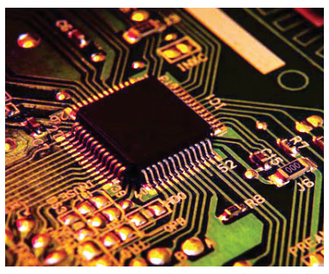

प्रोत्साहन तथा अन्य लाभ क्रियान्वयन के अधीन हैं। केंद्र सरकार 50 प्रतिशत पूंजीगत सहायता दे रही है, जबकि राज्य सरकार कुल परियोजना लागत का लगभग 20 प्रतिशत प्रोत्साहन देती है।

कृष्णन ने कहा, इतने वर्षों में मैंने कभी भी औद्योगिक नीति समर्थन जितना उदार कार्यक्रम नहीं देखा, जो किसी विशेष परियोजना की लागत का लगभग 70 प्रतिशत होता है। यह 70 प्रतिशत समतुल्य आधार पर वितरित किया जाता है... इस स्तर की सहायता निश्चित रूप से कुछ क्षेत्रों के लिए जारी रहेगी, जो महत्वपूर्ण और महत्त्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर, फैब्स, डिस्प्ले फैब्स आदि देश के लिए महत्वपूर्ण हैं।

अकाउंट एग्रीगेटर से वित्तीय समावेशन और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने बताया कि अकाउंट एग्रीगेटर (एए) प्रणाली ने भारत में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) तथा व्यक्तिगत ऋण की पहुंच को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसे 2 सितंबर 2021 को आधिकारिक तौर पर शुरू किया गया था, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक ने 2016 में इसके लिए दिशा-निर्देश जारी किए थे। यह एक डिजिटल फ्रेमवर्क है जो वित्तीय डेटा को सुरक्षित और सहमति-आधारित तरीके से साझा करने की सुविधा प्रदान करता है। इससे बैंकिंग, बीमा, पेंशन और प्रतिभूति जैसे क्षेत्रों में डेटा साझा करना सरल और सुरक्षित हो गया है। इस पहल से भारत का डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा (डीपीआई) मजबूत हुआ है।

डिक्सन बना भारत का सबसे बड़ा स्मार्टफोन निर्माता

नई दिल्ली। डिक्सन टेक्नोलॉजीज के नेतृत्व में भारतीय स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों ने वैश्विक दिग्गजों को पीछे छोड़ते हुए उत्पादन में बड़ा हिस्सा हासिल कर लिया है। एक अध्ययन के अनुसार, अप्रैल-जून 2025 तिमाही में घरेलू कंपनियों का कुल उत्पादन हिस्सा 36 फीसदी तक पहुंच गया, जो पिछले साल इसी अवधि में सिर्फ 9 फीसदी था। डिक्सन ने इस तिमाही में 22 फीसदी बाजार हिस्सेदारी हासिल कर सैमसंग, फॉक्सकॉन और वीवो जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया। यह 196 फीसदी की तेज वृद्धि दर्शाता है। डिक्सन 70 मिलियन फोन सालाना उत्पादन क्षमता वाले नए प्लांट पर भी काम कर रहा है, जिससे उसकी उत्पादन क्षमता और बढ़ेगी।

इलेक्ट्रिक स्कूटर रेंज की रीढ़ साबित होगा ईएल प्लेटफॉर्म

नई दिल्ली। एथर एनर्जी कंपनी ने अपने बहुप्रतीक्षित ईएल प्लेटफॉर्म से पर्दा हटा दिया है। इसके बारे में एथर का कहना है कि यह नेक्स्ट-जनरेशन प्लेटफॉर्म उसकी आने वाली इलेक्ट्रिक स्कूटर रेंज की रीढ़ साबित होगा। इसके तहत कंपनी फैमिली स्कूटर, मैक्सी-स्कूटर और स्पोर्टी परफॉर्मेंस ईवी लॉन्च करेगी। इस मौके पर एथर ने ईएल 01 कॉन्सेप्ट भी दिखाया, जो भविष्य के फैमिली स्कूटर की झलक पेश करता है। कंपनी का पहला नया स्कूटर अगले साल त्योहारी सीजन में बाजार में आएगा और इसका उत्पादन महाराष्ट्र के संभाजी नगर प्लांट में होगा। ईएल प्लेटफॉर्म को पूरी तरह नए सिरे से डिजाइन किया गया है।

जिन रेल कर्मचारियों का एसबीआई में खाता उन्हें मिलेगा 1 करोड़ का दुर्घटना बीमा, मंत्रालय का एलान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे ने अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए महत्वपूर्ण बीमा कवर प्रदान करने के लिए एसबीआई के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत एसबीआई वेतन खाते वाले रेलवे कर्मचारियों को एक करोड़ रुपये का दुर्घटना मृत्यु बीमा मिलेगा।

भारतीय रेलवे ने अपने कर्मचारियों के लिए बड़ी घोषणा की है। रेल मंत्रालय ने बताया है कि एसबीआई में वेतन खाता वाले रेलवे कर्मचारियों को एक करोड़ रुपये का दुर्घटना मृत्यु बीमा मिलेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में सोमवार को भारतीय स्टेट बैंक के साथ इस बारे में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया।

सीजीईजीआईएस के तहत कर्मचारियों को मिलता था बीमा कवर: अभी तक केंद्रीय सरकारी कर्मचारी समूह बीमा योजना के तहत ग्रुप ए, बी और सी कर्मचारियों को क्रमश: केवल ?1.20 लाख, 60,000 और 30,000 का कवर मिलता था।

समझौते के तहत क्या-क्या मिलेगा लाभ: इसके समझौते के तहत कर्मचारियों को प्राकृतिक मृत्यु पर भी 10 लाख का बीमा कवर मिलेगा। इसके लिए न तो प्रीमियम देना होगा और न ही कोई मेडिकल जांच करानी होगी। मंत्रालय ने बताया कि इस एमओयू के तहत कुछ अन्य पूरक बीमा लाभ भी शामिल हैं। इनमें हवाई दुर्घटना बीमा कवर 1.60 करोड़, रुपे डेबिट कार्ड पर अतिरिक्त एक करोड़ रुपये तक, स्थायी पूर्ण विकलांगता पर एक करोड़ रुपये तक और स्थायी आंशिक विकलांगता पर 80 लाख तक का कवर शामिल है।

सात लाख कर्मचारियों को मिलेगा इस योजना का लाभ: रेलवे के मुताबिक, लगभग सात लाख कर्मचारी जिनके वेतन खाते एसबीआई में हैं, इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह समझौता कर्मचारियों के कल्याण पर केंद्रित है, खासकर ग्रुप सी जैसे अग्रिम पंक्ति के कर्मियों के लिए बड़ी राहत साबित होगा। यह भारतीय रेलवे और एसबीआई के बीच एक देखभाल और रचनात्मक साझेदारी को दर्शाता है।

रेलवे ने एसबीआई के साथ किया एमओयू

चीनी मिलों, डिस्टिलरियों को बिना प्रतिबंध इथेनॉल बनाने की अनुमति

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सरकार ने चीनी मिलों और डिस्टिलरी को नवंबर से शुरू होने वाले 2025-26 विपणन वर्ष में बिना किसी प्रतिबंध के इथेनॉल उत्पादन की अनुमति दे दी। इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) नवंबर से अक्टूबर तक चलता है। खाद्य मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि चीनी मिलों और डिस्टिलरी को ईएसवाई 2025-26 के दौरान बिना किसी प्रतिबंध के गन्ने के रस/चीनी सिरप, बी-हैवी गुड़ के साथ-साथ सी-हैवी गुड़ से इथेनॉल का उत्पादन करने की अनुमति है। विभाग पेट्रोलियम मंत्रालय के परामर्श से समय-समय पर चीनी को इथेनॉल उत्पादन में बदलने की समीक्षा करेगा, ताकि घरेलू बाजार में चीनी की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। वर्तमान

ईएसवाई 2024-25 के दौरान सरकार ने इथेनॉल उत्पादन के लिए 40 लाख टन चीनी के उपयोग की अनुमति दी है।

एसबीआई वेतन खाते वाले रेलवे कर्मियों को मिलेगा एक करोड़ रुपये का बीमा: भारतीय रेलवे ने अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों को महत्वपूर्ण बीमा कवर प्रदान करने के लिए सोमवार को भारतीय स्टेट बैंक के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। रेल मंत्रालय ने कहा कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के तहत एसबीआई में वेतन खाता रखने वाले कर्मचारियों को 1 करोड़ रुपये का दुर्घटना मृत्यु बीमा मिलेगा। इसके अतिरिक्त एसबीआई में केवल वेतन खाता रखने वाले सभी रेलवे कर्मचारी अब बिना किसी प्रीमियम का भुगतान किए या किसी मेडिकल जांच के 10 लाख रुपये के प्राकृतिक मृत्यु बीमा कवरेज के लिए पात्र होंगे। लगभग सात लाख रेलवे कर्मचारियों के वेतन खाते एसबीआई के पास हैं। यह समझौता कर्मचारी कल्याण की दिशा में एक बड़ा कदम है। मंत्रालय ने कहा कि समझौता ज्ञापन के तहत कुछ प्रमुख बीमा कवरों में 1.60 करोड़ रुपये का हवाई दुर्घटना बीमा (मृत्यु) कवर और रुपे डेबिट कार्ड पर एक करोड़ रुपये तक का अतिरिक्त कवर; एक करोड़ रुपये का व्यक्तिगत दुर्घटना (स्थायी पूर्ण विकलांगता) कवर; और 80 लाख रुपये तक का व्यक्तिगत दुर्घटना (स्थायी आंशिक विकलांगता) कवर शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा ने जावेद अख्तर का कार्यक्रम टालने पर ममता सरकार पर साधा निशाना

कोलकाता। पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी द्वारा प्रसिद्ध कवि एवं गीतकार जावेद अख्तर के कार्यक्रम को टालने के बाद राज्य की राजनीति गरमा गई है। भारतीय जनता पार्टी ने इस मामले पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए उसे कट्टरपंथियों के दबाव में झुकने का आरोप लगाया है। मामला, 31 अगस्त से शुरू होने वाले उर्दू अकादमी के चार दिवसीय सांस्कृतिक आयोजन का है, जिसमें जावेद अख्तर को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया था, लेकिन कार्यक्रम से ठीक पहले इसे स्थगित करने का फैसला लिया गया। हालांकि अकादमी ने अख्तर के कार्यक्रम को रद्द करने के पीछे कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया है। अकादमी की सचिव नुजहत जैनब ने कहा कि अनिवार्य परिस्थितियों के कारण कार्यक्रम स्थगित किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, जमीयत उलेमा-ए-हिंद की कोलकाता इकाई ने अख्तर को मुख्य अतिथि बनाए जाने का विरोध किया था और इसके लिए अकादमी को पत्र भी लिखा था। संगठन के स्थानीय महासचिव जिलुर रहमान आरिफ ने कथित तौर पर इस आमंत्रण पर आपत्ति जताई थी। भाजपा ने इसे ममता सरकार की तुष्टिकरण राजनीति से जोड़ा है।

दिल्ली-किशनगंज-दयाबस्ती सेक्शन पर ब्रिज रिप्लेसमेंट के कारण कई ट्रेनें रद्द एवं डायवर्ट

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे ने दिल्ली क्षेत्र में दिल्ली किशनगंज-दयाबस्ती स्टेशनों के बीच स्टील गर्डर ब्रिज संख्या-04 को बदलने के लिए होने वाले पावर और ट्रैफिक ब्लॉक के कारण कई ट्रेनों के परिचालन में अस्थायी बदलाव किए हैं। उत्तर रेलवे ने मंगलवार को बताया कि ट्रैफिक ब्लॉक के कारण 5 सितंबर को शकरबस्ती-बल्लभगढ़ (64908), बल्लभगढ़-शकरबस्ती (64071), शकरबस्ती-नई दिल्ली (64018), जिंद जंक्शन-नई दिल्ली (64912) और नई दिल्ली-जिंद जंक्शन (64915) गाड़ियां रद्द रहेंगी। इसी तरह कई लंबी दूरी की गाड़ियां वैकल्पिक मार्ग से चलाई जाएंगी। इसमें गोरखपुर-बठिंडा (12555), प्रयागराज-भिवानी (14117), बालुरघाट-बठिंडा (15743), नई दिल्ली-मोगा (22485) और मेरठ कैंट-श्रीगंगानगर (14030) शामिल हैं। इनमें से कुछ ट्रेनों के रास्ते में आने वाले ठहराव भी हटाए गए हैं। इसके अलावा, 4 और 5 सितंबर को कुछ ट्रेनें आंशिक रूप से समाप्त या प्रारंभ होंगी। इनमें पलवल-शकरबस्ती (64019), जिंद-नई दिल्ली (54024), दिल्ली-भिवानी (54005), खुर्जा-शकरबस्ती (64111), शकरबस्ती-पलवल (64012), दनकौर-शकरबस्ती (64109) और शकरबस्ती-दनकौर (64112) शामिल हैं।

केजरीवाल ने की बाढ़ग्रस्त पंजाब की मदद करने की अपील

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज बाढ़ की मार झेल रहे पंजाब राज्य की संकट में मदद करने की अपील की। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों, केंद्र सरकार और राज्य सरकारों से राजनीति से ऊपर उठकर पंजाब की मदद करने और योगदान देने को कहा है। एक वीडियो संदेश में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी के सभी सांसद और विधायक अपने एक-एक महीने की तनख्वाह पंजाब मुख्यमंत्री सहायता कोष में दान कर रहे हैं। पंजाब के लिए वे खुलकर योगदान करने की अपील करते हैं। केजरीवाल ने कहा कि भारत मां का कवच पंजाब आज बाढ़ की त्रासदी झेल रहा। इसकी मदद को आगे आयें। भारत पर जब भी विदेशी हमले हुए, उन्हें पंजाब ने अपने सीने पर लेकर देश की रक्षा की। आजादी की लड़ाई में सबसे ज्यादा शहादत पंजाब के लोगों ने दी थी। पंजाब के कण-कण में बहादुरी है और यहां की धरती पर ज्ञान और वीरता की गाथाएं सींची गई हैं।

कांग्रेस विधायक वीरेंद्र के घर पर ईडी का फिर छापा

चित्रदुर्ग। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कर्नाटक के चित्रदुर्ग से कांग्रेस विधायक वीरेंद्र पप्पी के घर पर फिर से मंगलवार को छापा मारा है। विधायक ईडी की हिरासत में पहले से ही हैं। जिन पर ऑनलाइन सट्टेबाजी और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप हैं। जानकारी के मुताबिक ईडी के अधिकारियों ने विधायक वीरेन्द्र के चित्रदुर्ग के चल्लकेरे स्थित एक पुराने घर की तलाशी ली है। ईडी के अधिकारियों ने घर के अंदर मौजूद दस्तावेजों की जांच की है और नए सबूतों की तलाश कर रहे हैं। ईडी ने किले में खड़ी चार लग्जरी कारों की जानकारी की है। दरअसल, कांग्रेस के विधायक वीरेन्द्र के खिलाफ ईडी ऑनलाइन सट्टेबाजी और मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में जांच कर रही है। इससे पहले 22 अगस्त को ईडी के अधिकारियों ने वीरेंद्र के घर पर छापेमारी की थी और दस्तावेजों की जांच की थी। उस समय करोड़ों रुपये नकद, सोने के आभूषण और विदेशी मुद्रा समेत भारी संपत्ति जब्त की गई थी। ईडी विधायक वीरेंद्र पप्पी को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है।

सरकार के विरोध में सड़कों पर उतरे लोग

बेलग्रेड में सरकार विरोधी प्रदर्शन के दौरान सड़कों पर मार्च करते हुए लोगों की तस्वीरें एक ड्रोन कैमरे से सामने आयीं।

बड़ी उपलब्धि : नोएडा में बनेंगे वेंटीलेटर विदेशी कंपनियों पर निर्भरता होगी कम

गौतमबुद्ध नगर ■ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में अब वेंटीलेटर बनाए जाएंगे। इसके लिए यमुना विकास प्राधिकरण ने तीन एकड़ जमीन आवंटित करने संबंधी एक पत्र निर्माणकर्ता कंपनी मेडीसिस के प्रबंधन सौंप दिया है। मेडीसिस कंपनी करीब 500 करोड़ रुपये का निवेश कर नोएडा में ही वेंटीलेटर का निर्माण शुरू करेगी। नोएडा में वेंटीलेटर निर्माण होने से विदेशी कंपनियों से निर्यात करने की निर्भरता कम होगी।

यमुना विकास प्राधिकरण के सीईओ राकेश कुमार सिंह ने बताया कि वेंटीलेटर का निर्माण यमुना सिटी में शुरू होना महत्वपूर्ण है। नोएडा की एक कंपनी मेडीसिस यहां करीब 500 करोड़ रुपये का निवेश कर वेंटीलेटर का निर्माण शुरू करेगी। इस के लिए तीन एकड़ जमीन आवंटित किया गया है। एनसीआर में वेंटीलेटर के निर्माण शुरू होने से यहां मरीजों के लिए लाइफ सपोर्ट की सुविधा सुगम हो सकेगी। इस संबंध में कंपनी का कहना है कि जल्दी ही जमीन आवंटन की प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा। जिसके बाद वेंटीलेटर बनाने की इकाई को शुरू किया जा सकेगा। कंपनी के अधिकारियों ने यमुना विकास प्राधिकरण को आश्वस्त किया कि स्थानीय स्तर पर ही वेंटीलेटर बनने से अस्पतालों का खर्च कम हो सकेगा। इससे गंभीर मरीजों को भी किफायती दरों पर वेंटीलेटर की सुविधा मिल सकेगी। कंपनी अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करते हुए यहां वेंटीलेटर बनाएगी। यह इकाई यमुना सिटी के मेडिकल डिवाइस पार्क में लगाए जाने की योजना है। इस दौरान ओएसडी शैलेंद्र भाटिया भी मौजूद थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने चेन्नई में सिटी यूनियन बैंक के स्थापना दिवस पर कहा

भारत की विकास गाथा में बैंकिंग क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका

चेन्नई ■ एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मंगलवार को चेन्नई में आयोजित सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुईं। समारोह की मुख्य अतिथि राष्ट्रपति ने अपने संबोधन के दौरान बैंकिंग क्षेत्र की उपलब्धियों और संभावनाओं पर विचार प्रकट किये।

राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और बैंकिंग उद्योग देश के विकास की गाथा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बैंकों की भूमिका वित्तीय लेन-देन से कहीं आगे तक विस्तृत हो गई है। आज बैंक केवल धन के संरक्षक नहीं, बल्कि वे विविध वित्तीय सेवाएं प्रदान करते हैं। वे समावेशी और सतत विकास में भी सहायक हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि सशक्त आर्थिक परिदृश्य में लोगों की आकांक्षाएं व्यापक रूप से बढ़ी हैं। देश के विकास के महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक वित्तीय समावेशन है, जिसका अर्थ यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक नागरिक की किफायती वित्तीय सेवाओं तक पहुंच हो।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सिटी यूनियन बैंक जैसे अन्य बैंक भी अपनी बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में राष्ट्रीय लक्ष्य को पूरा करने में मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विकासशील देश में, एक बड़ी आबादी अभी भी ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रहती है, जहां बैंकिंग तक सीमित पहुंच है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि सिटी यूनियन बैंक ने वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। राष्ट्रपति ने कहा कि बैंक और वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियां वंचित समुदायों के लिए उपयोगकर्ताओं के अनुकूल मोबाइल ऐप, सूक्ष्म ऋण और बीमा उत्पाद उपलब्ध करा रही हैं। पेमेंट बैंक, डिजिटल वॉलेट और बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट ने वित्तीय सेवाओं को दूर-दराज के गांवों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में प्रगति के बावजूद, डिजिटल साक्षरता, इंटरनेट की पहुंच और वित्तीय जागरूकता के संदर्भ में अभी भी कई चुनौतियां हैं। सभी हितधारकों के संयुक्त प्रयासों से लोगों को प्रौद्योगिकी, डिजिटल और वित्तीय साक्षरता के माध्यम से बैंकिंग सेवाओं से बेहतर ढंग से जोड़ा जा सकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि किसानों का सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था हमारे बैंकिंग क्षेत्र की प्राथमिकता होनी चाहिए। समय पर और किफायती ऋण उपलब्ध कराकर वित्तीय जागरूकता प्रदान करके तथा कृषि-तकनीकी पहलों को समर्थन देकर बैंक कृषि को टिकाऊ और लाभदायक बनाने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बैंक एमएसएमई को विकास के इंजन में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। हमारे बैंकों को वंचित और हाशिए पर पड़े वर्गों की मदद के लिए भी कदम उठाने चाहिए। दिहाड़ी मजदूरों और प्रवासी मजदूरों को बैंकिंग सेवाओं से बेहतर ढंग से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जाने चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि जैसे-जैसे हमारी डिजिटल और ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था का विस्तार हो रहा है, डिजिटल परिवर्तन और उद्यमिता में बैंकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जा रही है। स्टार्टअप से लेकर स्मार्ट शहरों तक, ऐसे कई क्षेत्र हैं, जिनमें बैंक मदद कर सकते हैं। बैंक एक विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदार बन सकते हैं। इससे पहले चेन्नई हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति का तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि, उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन और अन्य लोगों ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने चेन्नई के नंदंबक्कम में स्थित सिटी यूनियन बैंक के 120वें वर्षगांठ समारोह में शामिल हुईं। इस समारोह में तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अलावा तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन, भाजपा नेता एच. राजा, तमिलिसाई सुंदरराजन, अन्नाद्रमुक के पूर्व मंत्री जयकुमार, विजयभास्कर, सी.वी. षणमुगम और अन्य राजनेताओं ने भी भाग लिया।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति आज रात राज्यपाल निवास में विश्राम करेंगी और कल सुबह त्रिची जाएंगी। त्रिची के बाद राष्ट्रपति श्रीरंगम मंदिर के दर्शन करेंगी। उसके बाद वह तिरुवरुर स्थित तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। उनकी इस यात्रा को देखते हुए चेन्नई, त्रिची और तिरुवरुर जिलों में पुलिस ने बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की है।

केदारधाम व हेमकुंड साहिब के लिए रोपवे निर्माण को सरकार और एनएचएलएमएल के बीच समझौता हस्ताक्षरित

देहरादून ■ एजेंसी

पर्वतमाला परियोजना के अन्तर्गत केदारनाथ और हेमकुंड साहिब मार्ग पर रोपवे बनाने के लिए राज्य सरकार और नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड (एनएचएलएमएल) के बीच एक समझौता हुआ है। मंगलवार को सचिवालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में दोनों पक्षों के बीच हस्ताक्षर किए गए।

राज्य सरकार और एनएचएलएमएल के इस समझौते के अन्तर्गत इक्विटी भागीदारी में एनएचएलएमएल की 51 प्रतिशत और राज्य सरकार की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। राजस्व साझेदारी के अन्तर्गत 90 प्रतिशत धनराशि उत्तराखंड राज्य में पर्यटन, परिवहन एवं गतिशीलता के क्षेत्र में व्यय की जाएगी। इस समझौते के अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री सड़क परिवहन एवं राजमार्ग अजय टम्टा एवं उत्तराखण्ड के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज भी उपस्थित थे।

इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह समझौता प्रदेश की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक पटल पर नई पहचान दिलाने के साथ ही पर्यटन, रोजगार, पर्यावरण संरक्षण और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में नई संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पर्वतमाला परियोजना के तहत सोनप्रयाग से केदारनाथ के बीच लगभग 4100 करोड रूपये की लागत से 12.9 किलोमीटर लंबा और गोविंदघाट से हेमकुण्ड साहिब के बीच 2700 करोड़ से अधिक की लागत से 12.4 किलोमीटर लंबी रोपवे परियोजनाओं के निर्माण को मंजूरी दी गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये परियोजनाएं राज्य में रोपवे कनेक्टिविटी के विस्तार में नए आयाम स्थापित करने के साथ ही राज्य की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र के सहयोग से राज्य में रेल, रोड और रोपवे कनेक्टिविटी का तेजी से विस्तार हो रहा है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले से विस्फोटक सामग्री के साथ 16 नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर ■ एजेंसी

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के गंगालुर, जांगला और बासागुड़ा थाना क्षेत्रों में में चलाये जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के तहत संयुक्त सर्च अभियान के दौरान कुल 16 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई डीआरजी, थाना बासागुड़ा, थाना गंगालूर, थाना जांगला, कोबरा बटालियन 210 एवं 202 और सीआरपीएफ 229 की संयुक्त टीम द्वारा अंजाम दी गई। इस कार्रवाई में थाना बासागुड़ा से 2, थाना गंगालूर से 6 व थाना जांगला से 8 नक्सली गिरफ्तार किए गए हैं।

गिरफ्तार नक्सलियों के कब्जे से विस्फोटक सामग्री और नक्सली प्रचार सामग्री भी बरामद की गई है। पूछताछ में गिरफ्तार नक्सलियों ने स्वीकार किया कि वे सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से आईईडी विस्फोट के उद्देश्य से उन्होंने विस्फोटक सामग्री और प्रचार सामग्री एकत्र की थी। गिरफ्तार सभी नक्सलियों के विरूद्ध कार्यवाही उपरांत आज मंगलवार को न्यायिक रिमांड के लिए न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। यह जानकारी बीजापुर पुलिस ने दी है।

जांगला क्षेत्र से गिरफ्तार नक्सलियों का विवरण- 1. नड़गु वेको (मिलिशिया सदस्य)50 वर्ष, निवासी आदवाड़ा स्कूलपारा थाना जांगला, जिला बीजापुर।2. बोटी माड़वी (डीएकेएमएस सदस्य) 44 वर्ष, निवासी आदवाड़ा उसकेपारा थाना जांगला, जिला बीजापुर।3. बोड़ा वेको (भूमकाल मिलिशिया सदस्य)27 वर्ष, निवासी-आदवाड़ा देवापारा थाना जांगला, जिला बीजापुर।4. पाकलू फरसा (डीएकेएमएस सदस्य)38 वर्ष, निवासी आदवाड़ा देवापारा थाना जांगला, जिला बीजापुर।5. बामन कवासी (जनसंपर्क सदस्य)31 वर्ष, निवासी आदवाड़ा उस्कोपारा थाना जांगला, जिला बीजापुर।6. मुन्ना कुहरामी (डीएकेएमएस सदस्य)22 वर्ष, निवासी आदवाड़ा नयापारा थाना जांगला, जिला बीजापुर।7. मुन्ना वेको (भूमकाल मिलिशिया सदस्य)22 वर्ष, निवासी आदवाड़ा नयापारा थाना जांगला, जिला बीजापुर।8. बुधरू ऊर्फ बधरू बारसा (मिलिशिया सदस्य) 21 वर्ष, निवासी गुडरा गोडियापारा थाना जांगला, जिला बीजापुर।

उत्तरप्रदेश के अलीगढ़ में अवैध हथियार फैक्टरी का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दिल्ली के सराय रोहिल्ला थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश में अलीगढ़ जिले के जट्टारी पिशावा इलाके में खेतों में बनी अवैध हथियार फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर मौके से भारी मात्रा में हथियार एवं कच्चा माल बरामद किया है।

दिल्ली के उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया के अनुसार, बरामदगी में 6 देशी कट्टे, 12 अधबने पिस्टल, 6 जिंदा कारतूस, 5 खाली कारतूस, 13 बैरल, 44 छोटे बैरल, 12 पाइप, 3 बड़े बैरल पाइप और हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाली मशीनें शामिल हैं। इसके अलावा 250 से अधिक पिस्टल बनाने लायक कच्चा माल भी जब्त किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले की शुरुआत 11/12 अगस्त की रात हुई जब सराय रोहिल्ला इलाके में एक युवक पर फायरिंग की घटना हुई। इस मामले में शामिल नाबालिग आरोपित से पूछताछ के दौरान पता चला कि उसने हथियार अलीगढ़ निवासी विजय उर्फ बंटी से खरीदा था। इसके बाद पुलिस की जांच का दायरा उत्तर प्रदेश तक बढ़ाया गया। पुलिस उपायुक्त बांठिया ने बताया कि पुलिस टीम ने पहले अलीगढ़ से विजय उर्फ बंटी (24) को दबोचा। उसकी निशानदेही पर मथुरा से बिजेंद्र सिंह उर्फ मधुरा (61) को गिरफ्तार किया गया। बिजेंद्र के मोबाइल से 70 से ज्यादा अवैध हथियार बनाने का वीडियो मिला। आगे की जांच में अलीगढ़ के जट्टारी पिशावा रोड पर खेतों में बनी दो कमरों की फैक्टरी का पता चला। जहां से हनवीर उर्फ हन्नू (60) को गिरफ्तार किया गया। आरोपित हनवीर ने पूछताछ में खुलासा किया कि वह पिछले 15-20 वर्षों से अवैध हथियार बनाने का धंधा कर रहा है और अब तक 1200 से अधिक हथियार बेच चुका है।

वायु सेना के अधिकारियों ने इस गतिविधि को एक नियमित प्रशिक्षण अभियान बताया

वायु सेना ने पाकिस्तानी एयरबेस के पास अरब सागर में शुरू किया हवाई अभ्यास

नई दिल्ली ■ एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर जारी रहने के बीच अरब सागर में भारत-पाकिस्तान के तटीय इलाके में विभिन्न तरह के सैन्य अभ्यासों की हलचल तेज है। अब भारतीय वायु सेना ने मंगलवार से गुजरात और राजस्थान के पास अरब सागर में दो दिवसीय सैन्य अभ्यास शुरू किया है। यह अभ्यास आज सुबह लगभग 11 बजे से शुरू हुआ, जो 3 सितंबर को दोपहर 2 बजे तक चलेगा। हवाई अभ्यास का यह क्षेत्र पाकिस्तान के कराची तट से केवल 200 समुद्री मील की दूरी पर स्थित है, जो पाकिस्तान-नियंत्रित वायु क्षेत्र से 70 समुद्री मील के करीब है।

भारतीय वायु सेना के अनुसार यह एक नियमित अभ्यास है और इसी के तहत पहले ही नोटम (एयरमैन को नोटिस) जारी किया गया था। नोटम या एयर मिशन को नोटिस एक प्रकार की सूचना है, जो विमानन क्षेत्र में किसी विशिष्ट स्थान या स्थिति से संबंधित आवश्यक जानकारी या चेतावनी देती है। इसका उद्देश्य उड़ान संचालन में शामिल लोगों को उन परिस्थितियों के बारे में सूचित करना है, जो मानक प्रकाशनों के माध्यम से वितरित करने के लिए पर्याप्त समय से पहले उपलब्ध नहीं हैं। नोटम का मतलब राष्ट्रीय हवाई

क्षेत्र प्रणाली के किसी भाग को प्रभावित करने वाली किसी भी असामान्य या असामान्य परिस्थितियों के बारे में जानकारी देना है। अरब सागर में दो दिवसीय वायुसेना अभ्यास पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र के करीब हो रहा है। पाकिस्तान के कराची तट से केवल 200 समुद्री मील की दूरी परयह अभ्यास 2 सितंबर को सुबह 11 बजे शुरू होगा और 3 सितंबर को दोपहर 2:00 बजे समाप्त होगा। वायु सेना के अधिकारियों ने इस गतिविधि को एक नियमित प्रशिक्षण अभियान बताया है, इसलिए नियमानुसार विमानन हितधारकों को सचेत करने के लिए आधिकारिक तौर परनोटिस टू एयरमैन जारी किया गया है। ऑपरेशन सिंदूर जारी रहने के बीच 11-12 अगस्त को भारत और पाकिस्तान की नौसेनाओं ने अरब सागर में अलग-अलग नौसैनिक अभ्यास किये। दोनों नौसेनाओं ने अभ्यास के दौरान अपने-अपने जलक्षेत्र में हवाई यातायात पर प्रतिबंध लगाते हुए नोटम जारी किया था। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय नौसेना की भूमिका शून्य रही, लेकिन उसके युद्धपोतों ने अरब सागर में अपनी समुद्री ताकत दिखाई। पाकिस्तान की नौसेना ने भी अरब सागर के अपने जलक्षेत्र में नौसैनिक अभ्यास किया, जहां भारतीय नौसेना ने फायरिंग अभ्यास किये। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद संभावित भारतीय सैन्य कार्रवाई की आशंकाओं के बीच पाकिस्तानी सशस्त्र बलों ने नियंत्रण रेखा के पास और अरब सागर में उन्नत हथियारों का प्रदर्शन करते हुए सैन्य अभ्यास किया था।

पश्चिम मध्य रेल

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नर्मदापुरम

इटारसी भोपाल सेक्शन में समपार फाटक क्रमांक 228 कि.मी. 751/26–28 भूमि अर्जन विवरण R.O.B ग्राम साकेत प.ह.न. 14 तहसील नर्मदापुरम जिला नर्मदापुरम

क्र.	खसरा नम्बर	कुल रकबा हैक्टे. में	भूमि का अर्जन योग्य रकबा हैक्टेयर	भूमि स्वामी का नाम/पिता/पती का नाम
1	2	3	4	5
1	142/1	1.247	0.111	श्रीमति माया कठक पत्नी सुनील कठक अभिमन्यु कठक पिता सुनील कठक आकांक्षा कठक पुत्री सुनील कठक निवासी इटारसी
2	139	1.214	0.003	महेश कुमार चौधरी– रणछोड़, राकेश चौधरी– रणछोड़, अर्चना चौरे पुत्री रणछोड़ निवासी इटारसी
3	27	0.769	0.122	दुष्यंत सिंह चौहान पिता रंजीत सिंह चौहान वंदना तोमर पुत्री रंजीत सिंह चौहान अर्चना बैस पुत्री रंजीत सिंह चौहान पुष्येन्द्र सिंह चौहान पिता रंजीत सिंह चौहान निवासी रैसलपुर इटारसी
4	23/1	0.591	0.010	भागवती वेवा अभयचन्द शिवकुमार पिता अभयचंद रमन कुमार पिता अभयचंद ब्रजकिशोर पिता प्रेमी निवासी रैसलपुर इटारसी
5	23/2	0.202	0.005	रामवती पटेल पत्नी कृपाशंकर, वंदना चौरे पिता कृपा शंकर रंजना चौरे पिता कृपा शंकर अंजना चौरे पिता कृपा शंकर कृष्ण कुमार पटेल पिता कृपा शंकर, राजकुमार पटेल पिता कृपा शंकर निवासी रैसलपुर इटारसी
6	44/1	0.931	0.014	सीताराम पिता जमनाप्रसाद राधेश्याम पिता जमनाप्रसाद रामभरोस पिता जमनाप्रसाद निवासी रैसलपुर इटारसी
	योग	4.954		

उक्त सूची कब्जा अनुसार तैयार की गई।

अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी
पश्चिम मध्य रेलवे,नर्मदापुरम

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व व पुलिस ने किया अस्पताल व गणेश पंडालों का निरीक्षण

माखननगर। सोमवार की रात अनुविभागीय अधिकारी राजस्व व अनुविभागीय अधिकारी पुलिस संजू चौहान ने तहसीलदार महेन्द्र चौहान व थाना प्रभारी मदनलाल पवार सहित राजस्व व पुलिस स्टाफ के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र माखननगर व नगर में गणेश उत्सव पर स्थापित गणेश प्रतिमाओं के पंडालों का निरिक्षण किया और इस दौरान उन्होंने गणेश उत्सव समितियों को आवश्यक निर्देश दिये । दोनों विभागों के अधिकारी व उनकी टीम नगर के विभिन्न पंडालों तक पैदल पंहुचे और पंडाल भी देखे साथ ही श्रीगणेश के दर्शन लाभ भी लिया ।

स्टेशन के सामने स्थित दक्षिणमुखी श्री हनुमान मंदिर के बारे में की चर्चा

सर्व हिंदू समाज संगठन ने कलेक्टर सुश्री सोनिया मीणा से की भेंट

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

इटारसी शहर के स्टेशन वाले हनुमान मंदिर विस्थापन से असहमत सर्व हिंदू समाज संगठन ने आज नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीणा से भेंट कर भूमि के स्वामित्व,नक्शा व होने वाले खर्च के संबंध में चर्चा की।

कलेक्टर ने इटारसी एसडीएम टी प्रतीक राव से फोन पर चर्चा कर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर हिंदू संगठन के पदाधिकारियों को आश्वाशन दिया कि हिंदू संगठनों की सहमति से ही मंदिर के विस्थापन सम्बंधित कार्य किए जाएंगे। संगठनों की मांग है कि मंदिर को बिना हटाए पीछे के अतिक्रमण हटा कर 16 फिट की रोड बनाई जा सकती है। यदि मंदिर हटाना आवश्यक हे तो मंदिर के लिए दी जा रही जगह का भूमि स्वामी श्री हनुमान जी महाराज के नाम पर रजिस्ट्री की जाए। सभी संगठन के लोगो को मंदिर समिति में सदस्य बनाया जाए।

मंदिर का नक्शा, गुंबद की ऊंचाई व सत्संग हॉल का क्षेत्रफल व निर्माण बजट सार्वजनिक किया जाए। नालामोहल्ला रोड पर अतिक्रमण कर बनाई गई सभी मजारों को अतिक्रमण मुक्त किया जाए। सर्व हिंदू समाज संगठन संगठन में विश्व हिंदू परिषद से जिला मंत्री चेतन राजपूत,नगर उपाध्यक्ष अनुरुद्ध चंसोरिया, जिला प्रचार प्रसार प्रमुख अनूप तिवारी, जिला संयोजक नितिन मेषकर,प्रखर राज शर्मा, राष्ट्रीय बजरंग दल जिलाध्यक्ष अजय राजपूत, हिंदू महाशक्ति संघ राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी जीतेंद्र राजवंशी एवं संभागीय मीडिया प्रभारी ललित मालवीय के साथ अन्य मौजूद रहे।

पावर ग्रिड कैंपस में मिला तेंदुए के शावक का शव

20 दिन में तीसरी मौत पीसीसीएफ ने 2 दिन पहले ही की थी समीक्षा

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

जिले में वन्य प्राणियों की मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। सोमवार को पथरौटा स्थित पावर ग्रिड कैंपस में तेंदुए के एक शावक का सड़ा-गला शव मिला। अनुमान है कि शावक की मौत 4-5 दिन पहले हुई होगी। शव मिलने से हड़कंप मच गया।

सूचना पर डीएफओ मयंक गुर्जर, एसडीओ मानसिंह मरावी, रेंजर सहित वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और डॉग स्क्वॉड से घटनास्थल की जांच कराई गई। हालांकि मौत का कारण स्पष्ट नहीं है, लेकिन अधिकारियों ने प्रथम दृष्टया बिजली के करंट से मौत की आशंका जताई है।

20 दिन में तीसरा मामला: यह घटना जिले में 20 दिनों के भीतर बाघ तेंदुए की मौत का तीसरा मामला है। इससे पहले 15 जुलाई को एसटीआर के बागड़ा बफर में तेंदुआ मृत मिला था। 12 अगस्त को मढ़ई में बाघ की लाश बरामद हुई, जिसकी मौत आपसी संघर्ष से बताई गई।

इसके बाद 22 अगस्त को तवा नदी के पास एक और बाघ का शव मिला था, जिसका पंजा शिकारी काटकर ले गए थे। अब तेंदुए के शावक की मौत ने वन विभाग की सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

लोगों में दहशत, पहले से था मूवमेंट: पावर ग्रिड कैंपस में तेंदुए की मूवमेंट की शिकायत पहले से मिल रही थी। पदचिन्ह मिलने पर फॉरेस्ट विभाग ने वहां कैमरे भी लगाए थे, लेकिन तेंदुआ कैमरों में कैद नहीं हुआ।

सुरक्षा के बेहतर इंतजाम के अधिकारियों को निर्देश दिए

2 दिन पहले ही वन विभाग के मुखिया प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख वीएन अम्बाड़े नर्मदापुरम में एसटीआर के दो बागों की मौत और अवैध कटाई की समीक्षा करने आएं थे। उन्होंने वन्य प्राणियों की मौत को लेकर चिंता जताई थी और सुरक्षा के बेहतर इंतजाम के अधिकारियों को निर्देश दिए थे।

डीएफओ ने भोपाल मुख्यालय को तेंदुए को रेस्क्यू करने की अनुमति के लिए पत्र भी लिखा था। सीसीएफ अशोक कुमार चौहान ने बताया कि मृत शावक मादा था और उसकी उम्र करीब 8-10 महीने रही होगी। घटनास्थल पावर ग्रिड यार्ड से महज 5-6 मीटर की दूरी पर है।

शव का पोस्टमॉर्टम बागदेव चौकी में वाइल्ड लाइफ और पशु चिकित्सकों की टीम ने किया। इसके बाद शावक का अंतिम संस्कार किया गया।

तवानगर थाना प्रभारी और स्टाफ ने खुद भरे सड़कों के गड्ढे, बारिश में आम नागरिकों को हो रही थी दिक्कत

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

जिले का तवानगर, जो अपने मनोरम प्राकृतिक सौंदर्य और तवा बांध के लिए जाना जाता है, हर साल हजारों पर्यटकों को आकर्षित करता है। यह क्षेत्र स्थानीय लोगों के लिए भी एक महत्वपूर्ण मार्ग है, लेकिन इसकी मुख्य सड़क की दयनीय स्थिति लंबे समय से चिंता का विषय रही है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे आए दिन दुर्घटनाओं का कारण बन रहे थे, जिससे न सिर्फ स्थानीय निवासियों बल्कि पर्यटकों की सुरक्षा भी खतरे में थी।

प्रशासन की ओर से कोई खास ध्यान न दिए जाने पर, तवानगर थाना प्रभारी संजय पांडे और उनके स्टाफ ने एक मिसाल कायम की है। उन्होंने खुद ही इन गड्ढों को भरने का बीड़ा उठाया। यह कार्य सिर्फ एक प्रशासनिक कर्तव्य से कहीं बढ़कर है यह समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता को दर्शाता है।

अपने हाथों से सड़क के गड्ढों को भरकर, श्री पांडे जी और उनकी टीम ने न सिर्फ दुर्घटनाओं का खतरा कम किया है, बल्कि यह संदेश भी दिया है कि बदलाव के लिए पहल करने की जरूरत है। यह दिखाता है कि जब सरकारी कर्मचारी और आम नागरिक मिलकर काम करते हैं, तो कितनी बड़ी समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

तवानगर पुलिस का यह कदम सराहनीय है और यह समाज के लिए एक प्रेरणा है। यह हमें सिखाता है कि हमें सिर्फ इंतजार नहीं करना चाहिए, बल्कि खुद आगे बढ़कर समाधान का हिस्सा बनना चाहिए। इस तरह के प्रयास दिखाते हैं कि जब हम सब मिलकर काम करें, तो अपने समुदाय को सुरक्षित और बेहतर बना सकते हैं।

नपाध्यक्ष एवं सीएमओ के निर्देश पर लगातार चल रहा जनजागरूकता अभियान

नर्मदापुरम। पालिका अध्यक्ष एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर नगरपालिका द्वारा नगर में स्वच्छता अभियान के साथ ही बच्चों में जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके अलावा भी बच्चों में स्वच्छता के प्रति अलख जगाने के लिए नगर के विभिन्न स्कूलों में पहुंचकर उन्हें स्वच्छता संबंधी जानकारी दी जा रही है। स्वच्छता जुडें सतीश यादव ने बताया कि नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर स्कूल सेंट चार्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में सभी बच्चों एवं शिक्षकों द्वारा स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। जिसके अंतर्गत स्वच्छता हेतु सभी को जागरूक किया गया तथा अपने शहर को स्वच्छ बनाने एवं कचरा कचरा गाड़ी में अलग-अलग डालने की शपथ दिलाई गई और सभी को गंदगी न करने ओर न करने देने की शपथ दिलाई गई।

आज और कल भारी बारिश का अलर्ट

सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए , कभी धूप तो कभी रिमझिम बारिश का दौर चलता रहा

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

जिले में पिछले 4 दिनों से लगातार मानसून सक्रिय है। मंगलवार सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए रहे, कभी धूप तो कभी रिमझिम बारिश का दौर चलता रहा। अब तक जिले में औसतन 45.38 इंच बारिश हो चुकी है, जो सामान्य 54 इंच का 84% है। मौसम विभाग ने 3 और 4 सितंबर को भारी बारिश की चेतावनी दी है।

मौसम विभाग का अनुमान: मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव ने बताया कि 2 सितंबर को हल्की से मध्यम बारिश होगी। 3 और 4 सितंबर को जिले के कई हिस्सों में भारी बारिश की संभावना है। मानसून ट्रफ लाइन दतिया और सतना से होकर गुजर रही है। साथ ही म्यांमार और राजस्थान के उत्तर-पूर्वी हिस्से में बने चक्रवात तथा उत्तर-पश्चिमी मध्यप्रदेश में सक्रिय ऊपरी हवाओं का चक्रवात जिले में बारिश बढ़ा सकता है।

तवा और बरगी बांध से पानी छोड़ा गया: तवा बांध के गेट पिछले 10 दिनों से खुले हैं। मंगलवार को 3 गेट 2-2 फीट खोलकर पानी छोड़ा गया। बरगी डैम के गेट भी खुले हुए हैं।

बीते 24 घंटे का बारिश का आंकड़ा: पिछले 24 घंटे में नर्मदापुरम तहसील में सबसे ज्यादा 3 इंच बारिश दर्ज हुई। 1 जून से 1 सितंबर तक जिले में औसतन 45.38 इंच बारिश हो चुकी है। पिछले साल इसी अवधि में 42.60 इंच बारिश हुई थी।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खेल महोत्सव की तैयारियों को लेकर की बैठक

गरीब और किसानों की सेवा ही भगवान की पूजा है- शिवराज सिंह

भोपाल ■ निसं

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज रविन्द्र भवन में आगामी खेल महोत्सव को सफल बनाने के लिए अपने संसदीय क्षेत्र के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने महोत्सव की रूपरेखा, कार्यक्रमों और प्रबंधन की विस्तृत चर्चा की। शिवराज सिंह ने पदाधिकारियों से कहा कि, खेल महोत्सव केवल खेल प्रतियोगिता नहीं बल्कि सामाजिक समरसता और युवा ऊर्जा के प्रदर्शन का बड़ा मंच है। उन्होंने आयोजन को भव्य और व्यवस्थित बनाने के लिए सभी को जिम्मेदारी के साथ योगदान देने का आह्वान किया। बैठक में क्षेत्रीय पदाधिकारियों ने भी अपने सुझाव दिए।

बीमारों का इलाज हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता: केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, पीड़ित मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने कहा कि यदि कोई कार्यकर्ता या क्षेत्र का कोई भी नागरिक बीमार होता है तो उसका समुचित इलाज करवाना हमारा परम कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि, मुख्यमंत्री रहते हुए मैंने स्वेच्छा अनुदान के माध्यम से अनेक जरूरतमंदों की मदद की।

उन्होंने कहा कि आज भी यदि किसी को गंभीर बीमारी होती है और आर्थिक सामर्थ्य नहीं है, तो वे व्यक्तिगत प्रयासों से संसाधन जुटाकर इलाज की व्यवस्था कराने का प्रयास करते हैं। हम किसी को मरने नहीं देंगे सिर्फ इसलिए कि उसके पास पैसे नहीं हैं। जरूरत पड़ी तो हर संभव प्रयास करके इलाज कराया जाएगा। साथ ही शिवराज सिंह ने अपने संसदीय क्षेत्र स्थित सुकरवास गांव का एक वाकया सुनाते हुए कहा कि, गांव का एक युवक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था और बहुत गरीब परिवार का था। तो गांव वालों ने उसके इलाज के लिए 2 लाख रुपये से भी ज्यादा की राशि एकत्रित की। फिर मुझे खबर मिली तो मैं दिल्ली से सीधे अस्पताल पहुंचा और डॉक्टर्स से चर्चा कर आयुष्मान कार्ड की मदद से उनका बेहतर इलाज हुआ।

गरीब और किसानों की सेवा ही भगवान की पूजा है: केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि रोजाना कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आते हैं गरीब, मध्यम वर्गीय और किसानों की सेवा करना ही सच्ची पूजा है। उन्होंने कहा कि इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड एक बड़ा सहारा है।

सभी शासकीय कार्यालयों में ई ऑफिस सिस्टम से ही कार्य किया जाए - कमिश्नर

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने संभागीय समय सीमा की बैठक में सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया कि वह शासकीय पत्राचार, फाइल नोट शीट, एवं अन्य सभी फाइल मूवमेंट ई ऑफिस सिस्टम से करना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा कि किसी भी स्थिति में ऑफलाइन कार्य न किया जाए और ना ही ऑफलाइन फाइल ली जाए। सभी पत्राचार ऑनलाइन रहे।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो. 9827054436 भोपाल कार्यालय : 4240007. डाकपंजीयन - MP/HSD04/2023-2025 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा ।)।